RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 240 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 22 अगस्त, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

क्राइम सीन से की गई छेड़छाड़

सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता पुलिस पर उठाये सवाल

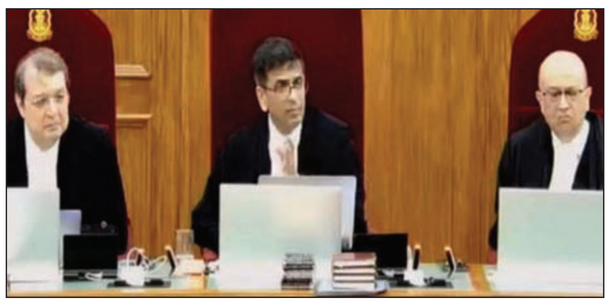

कोलकाता का निर्भया कांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हुई हत्या के मामले में सीबीआई ने स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश कर दी। रिपोर्ट में सीबीआई ने बताया है कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले में अपराध स्थल से छेड़छाड़ की गई। इस पूरे मामले में लीपापोती की कोशिश की गई। सीबीआई ने अंतिम संस्कार के बाद एफआईआर दर्ज किए जाने पर भी सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने बीती 20 अगस्त को स्वत: संज्ञान लेकर आरजी कर कॉलेज की घटना पर सुनवाई की थी। इसी सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सीबीआई और बंगाल सरकार से घटना की जांच पर स्टेटस रिपोर्ट अदालत में जमा करन का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कोलकाता पुलिस की लापरवाही पर बड़े सवाल खड़े किए। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा कि 30 साल के कैरियर में उन्होंने ऐसी लापरवाही नहीं देखी। वहीं सीजेआई ने कहा कि पुलिस के काम करने का तरीका ठीक नहीं था। सबूत जुटाने में भी देरी की गई।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपराध स्थल को सुरक्षित करने में की गई देरी पर नाराजगी जाहिर की। (शेष पृष्ठ-3 पर)

हड़ताली डाक्टर काम पर लौटे

डाक्टरों को सुरक्षा का दिलाया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हुई हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। इससे पहले सीबीआई और कोलकाता पुलिस ने सीलबंद लिफाफे में अपनी स्थिति रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपी। मामला सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच के पास है। इसमें जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बीती 20 अगस्त को मामले का स्वत: संज्ञान लिया था।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डॉक्टर्स समेत स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों को काम पर लौटने दें और एक बार जब वे ड्यूटी पर लौट आएंगे तो अदालत अधिकारियों को उन पर कार्रवाई न करने के लिए मनाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर डॉक्टर काम पर नहीं लौटेंगे तो सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचा कैसे काम करेगा।

दरअसल, सुनवाई के दौरान एम्स नागपुर के (शेष पृष्ठ-3 पर)

यूपी में 13 आईएएस अफसरों के तबादले

ग्रेटर नोएडा की एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बुधवार की रात को बड़ा एक्शन लिया है। दरअसल योगी सरकार ने 13 IAS अधिकारियों के तबादले किए है। वहीं ग्रेटर नोएडा में एसीईओ पद पर तैनात अन्नपूर्णा गर्ग को महत्वपूर्ण तैनाती दी गई है। उन्हें ग्रेटर नोएडा से वापस बुलाकर नियुक्ति विभाग में विशेष सचिव बना दिया गया है। इसके अलावा अनीता यादव को आगरा विकास प्राधिकरण से हटाकर प्रतीक्षारत कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश में बड़ा फेरबदल करते हुए जूनियर स्तर के आईएएस अफसरों को भी बदला गया है।

आपको बता दें कि के विजयेंद्र पांडियन की लखनऊ वापसी हुई है और उन्हें कानपुर का उद्योग निदेशक बनाया गया है। पूर्व राज्य जीएसटी आयुक्त मिनिस्ती भी छुट्टी से वापस आ गई हैं। उन्हें वित्त विभाग का सचिव बना दिया गया है। वहीं राज्य सरकार ने प्रशासनिक सेवा में बदलाव करते हुए अरुणमोली को मुख्य विकास अधिकारी गोंडा से हटाकर आगरा विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं इस सूची में अलीगढ़ की मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राणा को कुंभ मेला प्राधिकरण का विशेष कार्याधिकारी बना दिया गया है।

सड़क हादसे में मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र में एक व्यक्ति ने दुर्घटना में अपने पिता की मृत्यु होने के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम सोहरखा निवासी विमलेश यादव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 8 अगस्त की शाम को उसके पिता भारत सिंह यादव अपनी बाइक से घर आ रहे थे। इस दौरान अज्ञात वाहन चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। विमलेश यादव की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

राज्यमंत्री व डीएम के लगाये पौधों को ट्रैक्टर से कुचला

फाईल फोटो

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल, जिलाधिकारी मनीष कुमार व प्रभागीय वन अधिकारी द्वारा पृथला खंजरपुर गांव में लगाए गए पौधों को 4 लोगों ने ट्रैक्टर चला कर नष्ट दिया। इस संबंध में वन विभाग के बीट प्रभारी ने दोनों के खिलाफ थाना सेक्टर 113 में मुकदमा दर्ज कराया है।

वन विभाग के बीट प्रभारी महेंद्र पाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 9 अगस्त को उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, प्रभागीय वन (शेष पृष्ठ-3 पर)

सैकड़ों कर्मचारियों ने उठाया स्वास्थ्य शिविर का लाभ

सीईओ ने किया एनईए के स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-6 इंदिरा गांधी कला केन्द्र में आज नोएडा प्राधिकरण की कर्मचारी यूनियन नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन (एनईए) द्वारा चिकित्सा शिविर लगाया गया। इस शिविर में सैकड़ों कर्मचारियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई तथा डाक्टरों से परामर्श लिया। शिविर में फैलिक्स हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने लोगों का परीक्षण किया।

इस चिकित्सा शिविर का शुभारंभ नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डा. लोकेश एम ने किया। इस मौके पर तीनों अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) संजय खत्री, वंदना त्रिपाठी तथा सतीश पाल, जनस्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह, (शेष पृष्ठ-3 पर)

पति का दूसरी महिला से चक्कर ससुर व देवर रखते हैं गंदी नजर

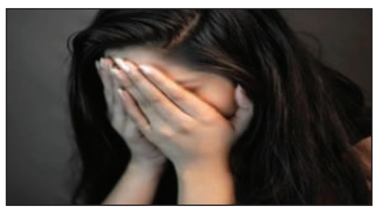

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी में एक महिला ने अपने पति व ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है की उसके पति का चक्कर किसी अन्य महिला के साथ चल रहा है और उसके ससुर व देवर उस पर गलत निगाह रखते हैं।

विमलेश (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका विवाह 16 फरवरी 2023 को एस्कॉर्ट कॉलोनी निवासी अमन नागर के साथ हुआ था। शादी के 10 महीने बाद उसे पता चला कि उसके पति का किसी अन्य लड़की के साथ प्रेम संबंध है। वह दिन रात फोन पर उससे बात करता रहता था। अमन नागर जनवरी माह में घर से बिना बताए चला गया और अपनी महिला दोस्त के साथ करीब डेढ़ माह तक घर से बाहर रहा। उसके घर लौटने पर जब उसने आपत्ति जताई तो उसने कहा कि वह उसके पिता और छोटे भाई चेतन से अपनी इच्छा पूर्ति कर सकती है।

विमलेश के मुताबिक 24 फरवरी को उसके देवर चेतन नागर ने उसे अकेला देखकर उसके साथ अश्लील हरकतें की। उसने इस बात का पुरजोर विरोध किया इसके बाद उसका देवर कमरे से बाहर चला गया। इस दौरान वह चार माह की गर्भवती हो गई। उसके गर्भवती होने की जानकारी मिलने पर उसकी सास मिथलेश, ससुर सनोज, पति व देवर ने उसे जबरन गर्भपात की दवाई खिला दी। पीड़िता के मुताबिक बीते 3 जुलाई की रात्रि को उसके ससुर सनोज (शेष पृष्ठ-3 पर)

ऑटो चालक ने सुनसान जगह पर युवती से की गंदी हरकत

नोएडा (चेतना मंच)। युवती को अकेला देखकर चालक ने सुनसान जगह पर ऑटो रोक कर उसके साथ छेड़छाड़ की। युवती के शोर मचाने पर ऑटो चालक उसे धक्का देकर मौके से फरार हो गया। इस संबंध में युवती के भाई ने थाना फेज-2 में ऑटो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। भट्टा कॉलोनी भंगेल में रहने वाले अनिरुद्ध मिश्रा (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी बहन ने 16 अगस्त की रात्रि को सूरजपुर से घर आने के लिए ऑटो लिया था। ऑटो चालक जैसे ही सेक्टर-88 के पास पहुंचा तो उसने ऑटो में सीएनजी डलवाने को कहा। इसके बाद ऑटो चालक ऑटो को सेक्टर-88 में सुनसान जगह पर ले आया और ऑटो रोककर उसकी बहन के साथ छेड़छाड़ करने लगा। उसकी बहन ने शोर मचाया तो वहां से गुजरने वाले राहगीर रुक गए। इसके बाद ऑटो चालक उसकी बहन को धक्का देकर मौके से फरार हो गया। भागते समय उसकी बहन ने ऑटो का नंबर नोट कर लिया। अनिरुद्ध ने बताया कि सफर के दौरान चालक के फोन पर किसी का फोन आया था तो उसने अपना नाम कुलदीप बताया था। (शेष पृष्ठ-3 पर)

बाइक की टक्कर से युवक की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के नोएडा एक्सप्रेसवे पर बस के इंतजार में खड़े एक व्यक्ति को बुलेट बाइक चालक ने टक्कर मार दी । हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए उक्त व्यक्ति की मौत हो गई।

ग्राम शहदरा निवासी रमेश गौतम 18 अगस्त की शाम को कंपनी से ड्यूटी खत्म कर सेक्टर-96 में नोएडा एक्सप्रेसवे पर बस का इंतजार कर रहा था। इस दौरान तेज गति में आ रहे बुलेट बाइक के चालक ने उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में रमेश गौतम गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद बाइक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने गंभीर स्थिति में रमेश गौतम को यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया। रमेश गौतम की हालत को देखकर उसे सेक्टर 39 जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इस संबंध में मृतक के भाई उम्मेद कुमार ने बुलेट बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

स्कूल गई किशोरी का अपहरण

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में स्कूल गई एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरी के पिता ने एक युवक के खिलाफ उसके अपहरण का मामला दर्ज कराया है।

खजूर कॉलोनी सदरपुर निवासी राकेश काल्पनिक नाम ने थाना सेक्टर 39 में अपनी बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। राकेश ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 17 अगस्त को उनकी बेटी छलेरा कंपोजिट स्कूल में पढ़ने के लिए गई थी। दोपहर बाद तक जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश की। स्कूल के सफाई कर्मचारी ने बताया कि उनकी बेटी एक युवक के साथ बाइक पर बैठकर गई है।

कुछ समय बाद उनकी पत्नी के मोबाइल फोन पर अज्ञात नंबर से कॉल आई और फोन करने वाले ने बताया कि उनकी बेटी उसके पास है। थाना प्रभारी ने बताया कि किशोरी की तलाश की जा रही है।

बहनोई पर चाकू से हमला कर किया लहूलुहान

नोएडा (चेतना मंच)। थाना कासना क्षेत्र के कस्बे में एक युवक ने अपने बहनोई पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। आरोपी युवक की बहन ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

कासना में रहने वाली अफसाना ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके पति मोहम्मद सलीम एक अगस्त को अपने घर आ रहे थे। इस दौरान उसके भाई रमजान ने बाबा मोहन राम डेरी के पास उसके पति को रोक लिया और गाली-गलौज शुरू कर दी। उसके पति मोहम्मद सलीम ने जब इस बात का विरोध किया तो रमजान ने उन पर चाकू से कई वार कर उन्हें घायल कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद रमजान मौके से फरार हो गया। गंभीर हालत में मोहम्मद सलीम को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से उसे दिल्ली के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

पीड़िता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसे अपने भाई से जान का खतरा बना हुआ है। उसका भाई भविष्य में भी उसके साथ कोई अनहोनी घटना कर सकता है। थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

सेक्टर-42 में चला प्राधिकरण का बुल्डोजर

3.5 करोड़ कीमत की 1000 वर्ग मीटर जमीन कब्जा मुक्त कराई

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने आज सेक्टर-42 में अवैध अतिक्रमण करके बनाई गई दुकानें तथा झुग्गियों को ध्वस्त कर दिया।

वर्क सर्किल-3 के तहत सेक्टर-42 में नोएडा प्राधिकरण की जमीन पर कई लोगों ने अवैध कब्जा करके दुकानें तथा झुग्गियां बना ली थीं। आज प्राधिकरण की टीम पुलिस बल के साथ वहां पहुंची तथा जेसीबी के जरिए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान करीब 1000 वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। जिसकी बाजारी कीमत करीब 3.5 करोड़ रूपये है। इस दौरान प्राधिकरण के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

भाजपा का सदस्यता अभियान 1 सितंबर से : मनोज गुप्ता

उमेश त्यागी बने सदस्यता अभियान प्रमुख, आज शाम को अहम बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा 1 सितंबर से सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। इसको लेकर मंडल तथा हर मोर्चा स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। भाजपा के महामंत्री उमेश त्यागी को सदस्यता अभियान के प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

आज भाजपा जिला कार्यालय सेक्टर-116 में भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा सदस्यता अभियान की जिला कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। (शेष पृष्ठ-3 पर)

चुनावी मुद्दे

हरियाणा में किसान और बेरोजगारी निर्णायक चुनावी मुद्दे साबित हो सकते हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की हरियाणा ईकाई ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, केंद्रीय कृषि मूल्य आयोग, जो एमएसपी तय करता है, किसान आंदोलन के दौरान मारे गए 736 किसानों के स्मारक की मांग और अन्य जुड़े मामलों पर विमर्श करना तय किया है। ये कोई मान्यता प्राप्त किसान संगठन नहीं हैं। केंद्र और राज्य सरकार अपने स्तर पर एमएसपी को लेकर लगातार विमर्श करती रही हैं। यह दीगर है कि फिलहाल कोई भी निष्कर्ष सामने नहीं है। अब किसानों के विमर्श का निष्कर्ष कुछ भी रहे, लेकिन यह हरियाणा के विधानसभा चुनाव की दशा-दिशा तय कर सकता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में कुरुक्षेत्र में रैली को संबोधित किया था, जिसमें एमएसपी को लेकर गारंटी दी गई थी कि सरकार एमएसपी पर ही फसलें खरीदेगी। संयुक्त किसान मोर्चा ने उस गारंटी को खारिज कर दिया। किसान राष्ट्रीय स्तर पर एमएसपी की कानूनी गारंटी मांग रहे हैं, लिहाजा केंद्रीय मंत्रियों से ही बातचीत होती रही है। केंद्र सरकार ने ही एक कमेटी बनाई थी, जिसके फैसले अभी सार्वजनिक किए जाने हैं। हरियाणा की फसलों की खरीद सीमित है तथा हरियाणा के किसानों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री की गारंटी को 'चुनावी स्टंट' करार दिया है। किसानों का दावा है कि मुख्यमंत्री सैनी के घोषित नए एमएसपी से उन्हें 3851 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। नुकसान का यह आंकड़ा किस आधार पर तय किया गया है, यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि किसान आंदोलन में हरियाणा अपेक्षाकृत सक्रिय नहीं था और न ही आंदोलन के बाद किसान नेताओं को कोई राजनीतिक सफलता मिली। पंजाब और हरियाणा में जिन किसान नेताओं ने चुनाव लड़े, वे पराजित हुए और जमानतें भी जब्त हुईं। हरियाणा में सबसे अधिक करीब 24 फीसदी आबादी जाटों की है। वे ही अधिकतर किसानी से जुड़े हैं। उनका समर्थन भाजपा, कांग्रेस, इंनेलो, जेजेपी आदि दलों के लिए विभाजित है। सत्ता-विरोधी लहर होने के बावजूद भाजपा 5 लोकसभा सीटों पर जीती और 5 सीटें कांग्रेस के हिस्से आईं। अब भी यही सीधा मुकाबला रहना है, क्योंकि अन्य दल बहुत कमजोर हो चुके हैं अथवा टूट-फूट कर बिखर चुके हैं। फिर भी यह चुनाव आसान नहीं होगा। हरियाणा में भाजपा सरकार और पार्टी के खिलाफ जबरदस्त लहर है। यह लहर पार्टी के भीतर भी महसूस की जा सकती है। भाजपा नेतृत्व ने लोकसभा चुनाव से पूर्व ही इसे पढ़ लिया था, लिहाजा तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को हटा कर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया। वह 12 मार्च, 2024 से मुख्यमंत्री हैं। नायब सैनी ने 'नॉन स्टॉप' बैनर से अपनी सरकार का अभियान शुरू किया। अखबारों में पूरे पृष्ठ के विज्ञापन छपवाए गए और दावे किए गए कि हरियाणा हर क्षेत्र में अब 'नॉन स्टॉप' है। एमएसपी का जिक्र भी किया गया। उसे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कांग्रेसी धड़े ने चुनौती दी, जिसका नारा है-'हरियाणा मांगे हिसाब।' कांग्रेस में शैलजा के नेतृत्व वाला भी धड़ा है और आलाकमान इस धड़ेबाजी को खत्म नहीं कर पाया है। हालांकि बेरोजगारी, किसान-संकट और रुकी, स्थिर, गतिहीन अर्थव्यवस्था आदि मुद्दे हरियाणा में अच्छी तरह परिचित रहे हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव के आते-आते विपक्ष ने उन्हें गरमा दिया है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के डाटा के अनुसार, हरियाणा में बेरोजगारी दर सर्वाधिक है, जबकि सरकार का डाटा इसके बिल्कुल उलट है और वह बेरोजगारी के मामले में हरियाणा को चौथे स्थान पर मानती है। राज्य की औद्योगिक गतिविधियां सीमित हैं व रोजगार प्रभावित है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि श्री रामचन्द्रजी और सीताजी का यश अमृत के समान जल है। इसमें जो उपमाएँ दी गई हैं, वही तरंगों का मनोहर विलास है। सुंदर चौपाइयाँ ही इसमें घनी फैली हुई पुरइन (कमलिनी) हैं और कविता की युक्तियाँ सुंदर मणि (मोती) उत्पन्न करने वाली सुहावनी सीपियाँ हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

छंद सोरठा सुंदर दोहा। सोइ बहुरंग कमल कुल सोहा॥
अरथ अनूप सुभाव सुभासा। सोइ पराग मकरंद सुबासा॥

जो सुंदर छन्द, सोरठे और दोहे हैं, वही इसमें बहुरंगे कमलों के समूह सुशोभित हैं। अनुपम अर्थ, ऊँचे भाव और सुंदर भाषा ही पराग (पुष्परज), मकरंद (पुष्परस) और सुगंध हैं॥

सुकृत पुंज मंजुल अलि माला। ग्यान बिराग बिचार मराला॥
धुनि अवरेब कबित गुन जाती। मीन मनोहर ते बहुभाँती॥

सत्कर्मों (पुण्यों) के पुंज भौंरों की सुंदर पंक्तियाँ हैं, ज्ञान, वैराग्य और विचार हंस हैं। कविता की ध्वनि वक्रोक्ति, गुण और जाति ही अनेकों प्रकार की मनोहर मछलियाँ हैं॥

अरथ धरम कामादिक चारी। कहब ग्यान बिग्यान बिचारी॥
नव रस जप तप जोग बिरागा। ते सब जलचर चारु तड़ागा॥

अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष- ये चारों, ज्ञान-विज्ञान का विचार के कहना, काव्य के नौ रस, जप, तप, योग और वैराग्य के प्रसंग- ये सब इस सरोवर के सुंदर जलचर जीव हैं॥

(क्रमशः..)

सामाजिक समरसता से बनेगा सशक्त भारत

समता, ममता और समरसता हमारे भारतीय लोकजीवन का अभिन्न अंग है। हम जिस देश में रहते हैं उसके ऋषि कहते हैं- 'सर्वभूतहिते रताः।' प्रकृति से साथ हमारा संवाद बहुत पुराना है। इसलिए हमने अपनी समूची सृष्टि को स्वीकारा। किसी को विरोधी नहीं माना। पेड़, पहाड़, नदियां, समुद्र, वनस्पतियां, जलचर, नभचर, जीव-जंतु, मनुष्य सबमें ईश्वर का वास मानने वाले हम ही हैं। हम ही कह पाए जो जड़ में है वही चेतन में है। कण-कण में ईश्वर का वास मानने वाली संस्कृति ही भारतीय संस्कृति है।

काल के प्रवाह में विचलन स्वाभाविक है। आज हमें समता, समरसता और अधिकारों की बात करनी पड़ रही है। सुधारों की बात करनी पड़ रही है, क्योंकि विचलन ने हमें उन मूल्यों से विरत कर दिया, जहां एक आदमी को ईश्वर बन जाने की स्वतंत्रता थी। आदमी का मनुष्य बनना और फिर देवत्व की तरफ बढ़ना साधारण नहीं है। उसके मूल्यनिष्ठ होते जाते की मुनादी है, घोषणा है। ऋषि कहते हैं- 'मर्नु भवः' यानि मनुष्य बनो। यही बाद बाद में गालिब के मुंह से निकलती है-

यूं तो मुश्किल है हर काम का आसां होना
आदमी को मयस्सर नहीं इंसा होना।

यानि जन्म से आप 'आदमी' हो सकते हैं किंतु 'मनुष्य' या 'इंसान' एक प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही आप बनते हैं। हमारे समाज में मनुष्य बनाने के स्कूल थे। हमारा परिवार, समाज और विद्यालय तथा धर्मगुरु इस प्रक्रिया को संभव करते थे। मनुष्य-मनुष्य में भेद को हमने अपराध माना। इसीलिए गुरू घासीदास कहते हैं- मनखे-मनखे एक हैं। इसी बात को गांधी छुआछूत के संदर्भ में कहते हैं- अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है। हिंदू समाज में आई जड़ता को तोड़ने के लिए समय-समय पर सुधारवादी आंदोलन चलते रहे हैं। हिंदु स्वयं एक ऐसा समाज है, जिसने अपने आत्मसुधार के लिए निरंतर यत्न किए हैं। हम सब ऋषियों की संतति हैं यह भाव लेकर काम करते रहे हैं। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर, कबीर, नानक, गुरू गोरखनाथ, गुरू घासीदास, संत रविदास से लेकर एक पूरी परंपरा जड़ताओं और कुरीतियों पर प्रहार करते हुए आत्मालोचन के लिए प्रेरित करती रही है। समय के सच को समझना और अपने समय के कठिन सवालों से जूझना हिंदुत्व की प्रकृति रही है। गुलामी के कालखंड में आई कुछ नकारात्मक वृत्तियों को समाप्त करने के लिए राजा राममोहन राय, महात्मा गांधी, बाबा साहब डा.भीमराव आंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, पंडित सुंदरलाल शर्मा जैसे अनेक नायक हमारे समाज में समरसता के मंत्रदृष्टा बनकर आते रहे हैं। कोई भी समाज कुरीतियों से मुक्त नहीं है। हर समाज में समय के साथ कुछ गिरावट आती है। मूल बात यह है कि क्या समाज अपनी गिरावट के विरूद्ध तनकर खड़ा होता है या नहीं। उसमें आत्मालोचन और आत्मसमीक्षा की प्रवृत्ति है या नहीं। हिंदु समाज इस अर्थ में खास है कि उसने प्रश्नाकुलता को समाज में मान्यता दी है। वह सती प्रथा, बाल विवाह, छूआछूत, जातीय विद्वेष के विरूद्ध खड़ा हुआ और स्त्री शिक्षा, स्त्री को न्याय,मनुष्य की बराबरी के मानकों को स्वीकार करते हुए एक नया भारत बनाने की ओर है। समाज में 'जातिद्वेष' मान्यता नहीं है।

हम मानते रहे हैं कि जाति का गौरव होना चाहिए किंतु जाति भेद ठीक नहीं। हमारे अनेक ऋषि व्यास, बाल्मीकि, संत रविदास, संत रसखान हमारे श्रद्धास्थान हैं। क्योंकि हमें बताया गया और हमने माना भी कि जाति-पात पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होई। हमारी परंपरा के सर्वोच्च नायक भगवान श्रीराम के समरसता इन्हीं गुणों से मर्यादा पुरूषोत्तम बने। अपनी उदार भावनाओं से वे 'शबरी के राम' हैं तो 'बाल्मीकि के भी राम' हैं। वे तुलसी के राम हैं तो कबीर के भी राम हैं। वे हनुमान के हृदय में हैं तो आहिल्या के भी उद्धारकर्ता हैं। वे निषादराज के परममित्र हैं, तो किंष्किंधानरेश सुग्रीव के भी मित्र हैं। इस परंपरा को समझने वाले ही भारत के मन को समझ सकते हैं।

भारतीय समाज को लांछित करने के लिए उस पर सबसे बड़ा आरोप वर्ण व्यवस्था का है। जबकि वर्ण व्यवस्था एक वृत्ति थी,

टेंपरामेंट थी। आपके स्वभाव, मन और इच्छा के अनुसार आप उसमें स्थापित होते थे। व्यावसायिक वृत्ति का व्यक्ति वहां क्षत्रिय बना रहने को मजबूर नहीं था, न ही किसी को अंतिम वर्ण में रहने की मजबूरी थी। अब ये चीजें काल बाह्य हैं। वर्ण व्यवस्था समाप्त है। जाति भी आज रूढ़ि बन गयी किंतु एक समय तक यह हमारे व्यवसाय से संबंधित थी। हमारे परिवार से हमें जातिगत संस्कार मिलते थे-जिनसे हम विशेषज्ञता प्राप्त कर 'जाब गारंटी' भी पाते थे। इसमें सामाजिक सुरक्षा थी और इसका सपोर्ट सिस्टम भी था। बढ़ई, लुहार, सोनार, केवट, माली, निषाद, बुनकर ये जातियां भर नहीं है। इनमें एक व्यावसायिक हुनर और दक्षता जुड़ी थी। गांवों की अर्थव्यवस्था इनके आधार पर चली और मजबूत रही। आज यह सारा कुछ उजड़ चुका है। हुनरमंद जातियां आज रोजगार कार्यालय में रोजगार के लिए पंजीयन करा रही हैं। जाति व्यवस्था और वर्ण व्यवस्था दोनों ही अब अपने मूल स्वरूप में काल बाह्य हो चुके हैं। अप्रासंगिक हो चुके हैं। ऐसे में जाति के गुण के बजाए, जाति की पहचान खास हो गयी है। इसमें भी कुछ गलत नहीं है। हर जाति का अपना इतिहास है, गौरव है और महापुरुष हैं। ऐसे में जाति भी ठीक है, जाति की पहचान भी ठीक है, पर जातिभेद ठीक नहीं है। जाति के आधार भेदभाव यह हमारी संस्कृति नहीं। यह मानवीय भी नहीं और सभ्य समाज के लिए जातिभेद कलंक ही है।

भारत के इतिहास में तमाम ऐसे पृष्ठ हैं, जिसमें हमारी संस्कृति और सभ्यता की रक्षा के लिए समाज के हर वर्ग के लोगों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। विदेशी आक्रामणों से जूझते हुए भी हमारे समाज ने अपनी सभ्यता और संस्कृति को जीवित रखा। बाद के कालखंड में विभेदकारी शासकों ने भारतीय समाज में विभाजन के बीज बोए क्योंकि उन्हें अपने राज को स्थाई बनाना था। लोगों के हाथ से हुनर छीन कर उन्हें दास बनाना उनका मकसद था। यह काम बिना बंटवारे की राजनीति से संभव नहीं था। भारत के सामने अपनी एकता को बचाने का एक ही मंत्र है, 'सबसे पहले भारत'। इसके साथ ही हमें अपने समाज में जोड़ने के सूत्र खोजने होगें। भारत विरोधी ताकतें तोड़ने के सूत्र खोज रही हैं, हमें जोड़ने के सूत्र खोजने होगें। किन कारणों से हमें साथ रहना है, वे क्या ऐतिहासिक और सामाजिक कारण हैं जिनके कारण भारत का होना जरूरी है। इन सवालों पर सोचना जरूरी है। अगर वे हमारे समाज को तोड़ने, विखंडित करने और जाति, पंथ के नाम पर लड़ाने के लिए सचेतन कोशिशें चला सकते हैं, तो हमें भी इस साजिश को समझकर सामने आना होगा। भारत का भला और बुरा भारत के लोग ही करेगें। इसका भला वे लोग ही करेंगें जिनकी मातृभूमि और पुण्यभूमि भारत है। वैचारिक गुलामी से मुक्त होकर, नई आंखों से दुनिया को देखना। अपने संकटों के हल तलाशना और विश्व मानवता को सुख के सूत्र देना हमारी जिम्मेदारी है ।

भारत अपनी लंबी गुलामी से उपजी इसी पीड़ा को आजतक भोग रहा है। कोई भी राष्ट्र इतने लंबे समय की गुलामी के बाद तमाम राष्ट्रों की तरह समाप्त हो जाता, किंतु भारत खड़ा है क्योंकि उसके पास परंपरा का उत्तराधिकार था। ऋषियों और संतों द्वारा दिया गया आध्यात्मिक उत्तराधिकार था। भक्ति ने भारत को हमेशा बचाया और बदला है। हमारी संत परंपरा हमारी जड़ों में एकता और समरसता के सूत्र पिरोती रही है। उनकी शरण में भारत खुद को तलाशता रहा है और सामने खड़े प्रश्नों से मुक्ति पाता रहा है। कुंभ जैसे आयोजन उसके नवपरिष्कार का अवसर देते रहे हैं, तो समाज में प्रवास कर संत शक्ति उसकी शक्ति को संगठित करती रही है। आज समरसता के मंत्रदृष्ठा अनेक सामाजिक संगठन भी सक्रिय होकर अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। भारत जाग रहा, अपना पुर्नअविष्कार कर रहा है। अपनी सांस्कृतिक धारा से जुड़कर अपने संकटों के हल तलाश रहा है। यही यात्रा समरसता की वाहक भी और प्रस्थान बिंदु भी। सामाजिक एकता और सामाजिक समरता के बिना हम 'एक भारत और श्रेष्ठ भारत' नहीं बना सकते। इसलिए एकत्व के तत्व खोजना और मनों को जीतना हमारी कोशिश होनी चाहिए। यही बात 'भारत' को 'समर्थ भारत' बनाएगी।

- प्रो.संजय द्विवेदी
(लेखक भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक हैं।)

शिक्षा जगत के लिए चुनौतियां

एक बार फिर हमने आजादी की सालगिरह मनाई। आजादी के बाद शिक्षा, खास तौर पर उच्च शिक्षा को लेकर हम कहां खड़े हैं, यह विचारना जरूरी है। शिक्षा राष्ट्र की समृद्धि का एकमात्र जरिया है। शिक्षा वो सूत्र है, जिसे देश के आजाद होते ही लीडरशिप ने समझ लिया और इस पर काम किया। आजादी के वक्त देश की आबादी 36 करोड़ थी, मगर साक्षरता सिर्फ 18 परसेंट। वहीं, महिलाओं के मामले में हालात और खराब थे। देश की आजादी के समय 9 परसेंट से भी कम महिलाएं पढ़ी-लिखी थीं। यानी 11 में से सिर्फ एक महिला पढ़-लिख सकती थी। आजादी के वक्त देश में सिर्फ डेढ़ लाख स्कूल थे, आज देश में स्कूलों की संख्या बढ़कर बीस लाख से ज्यादा हो गई है। इन स्कूलों में करीब 24 करोड़ छात्र पढ़ते हैं। स्कूली शिक्षा में सरकार और निजी क्षेत्र ने भी बहुत निवेश किया है। हालांकि इन दिनों कई कारणों से देश के अनेक सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है, और हर व्यक्ति अपने सामर्थ्य के हिसाब से अपने बच्चों को पब्लिक यानी निजी स्कूलों में पढ़ाना चाहता है। चिंता की बात यह भी है कि नई शिक्षा नीति में खास तौर से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार के प्रावधान की बातें बहुत हो रही हैं, लुभावनी योजनाएं बन रही हैं, लेकिन इसको लागू करने में अड़चनों को तुरंत दूर किया जाना जरूरी होगा। यह भी हो सकता है कि साधनों के अभाव एवं दक्ष-प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी के कारण हम नई शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर पा रहे हैं। बेहतर हो कि नई शिक्षा नीति के जरिए मियारी स्कूली शिक्षा देने का हमारा लक्ष्य भटकना नहीं चाहिए।

जहां तक उच्च शिक्षा का सवाल है, तो उच्च शिक्षा हर क्षेत्र में रिसर्च और डेवलपमेंट के रास्ते खोलती है। आजादी के बाद अब तक बनी सरकारें जानती थी कि हायर एजुकेशन पर फोकस किए बिना ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में झंडे नहीं गाड़े जा सकते।

इस पर भी बहुत काम हुआ है। आजादी के वक्त देश में सिर्फ 20 यूनिवर्सिटीज और 404 कॉलेज थे। आज इनकी संख्या में कई गुना इजाफा हो चुका है। अतीत में हायर एजुकेशन में क्वांटिटी पर ज्यादा और क्वालिटी पर फोकस कम रहा है। आज भी थोक के भाव से यूनिवर्सिटीज खुली हैं, मगर पढ़ाई अच्छी नहीं हो रही है। कुछ इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थिति और भी बुरी है। निजी संस्थाओं और उद्यमियों ने कॉलेज तो खोल दिए हैं, मगर कई जगह फैकल्टी अच्छी नहीं रखी जा रही है। कई संस्थानों में अच्छी लैब्स भी नहीं हैं। आज हमारे सामने सैकड़ों निजी इंजीनियरिंग कॉलेज ऐसे भी हैं जहां फीस निजी स्कूलों से कम है। हालांकि स्कूली शिक्षा में कई जगह निजी क्षेत्र ने अच्छा काम किया है, मगर हायर एजुकेशन में अभी बहुत काम होना बाकी है। वर्तमान में हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जो धीरे-धीरे ग्लोबल व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। इस समय सभी शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी ज्यादा है, जिन्हें इस दिशा में अभी काफी काम करना है। शिक्षण संस्थाओं के प्रसार की दिशा में भले ही हम प्रगति कर रहे हों, लेकिन यह साफ है कि शिक्षा डिजिटल तकनीक माध्यम से देने में हम असफल रहे हैं। आने वाले समय में विकसित भारत को निर्मित करने का मुख्य आधार शिक्षा ही है। इसके लिए हमें आधुनिक शिक्षा एवं शिक्षकों को समग्र दृष्टि से परिपक्व बनाना होगा, तभी शिक्षा की कमियां दूर हो सकेंगी। हमें अपने छात्रों को सिर्फ भारत में ही नहीं, पूरी दुनिया में प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है। हमें यह देखना होगा कि देश के छात्र दुनिया में कहीं भी काम करने के योग्य हों। यह कैसे संभव हो सकेगा? इस बार की आजादी की इस वर्षगांठ पर हमारा शिक्षा जगत और सरकारें इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार करें। शिक्षा में गुणवत्ता का होना जरूरी है। इसके लिए हमें शिक्षकों को अध्यापन से इतर कार्यों से विमुक्त करना होगा। अभी तक अध्यापकों की ड्यूटी चुनावी कार्यक्रमों के निपटान, मिड डे मील का प्रबंधन, सर्वेक्षण कार्यों तथा कई और सरकारी कार्यों के निपटान में लगाई जा रही हैं। इससे अध्यापकों के समक्ष यह संकट उत्पन्न हो जाता है कि सिलेबस का अध्यापन पूरी तरह कैसे करवाया जाए। वैसे शिक्षा केवल सिलेबस के अध्यापन तक सीमित विषय नहीं है। शिक्षा का लक्ष्य छात्र को इस काबिल बनाना है कि वह अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए आजीविका का प्रबंध कर सके, और साथ में शिक्षा का मतलब यह भी है कि इसे ग्रहण करने के बाद शिक्षार्थी सच को सच तथा झूठ को झूठ बोलने की हिम्मत दिखा सके। शिक्षा का लक्ष्य छात्र को एक कंपलीट पर्सन बनाना होता है। छात्र का नैतिक कल्याण और उसमें मानवीय सद्गुणों का प्रत्यारोपण भी शिक्षा का लक्ष्य है।

इस काम को छात्रों, अभिभावकों तथा अध्यापकों के आपसी सहयोग से पूरा किया जा सकता है। सद्गुण संपन्न नागरिक बनाना ही शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। शिक्षा जगत के लिए एक चुनौती यह भी है कि निजी शिक्षण संस्थानों की उपयोगिता को स्वीकार तो किया जाए, लेकिन इनके कारण शिक्षा इतनी महंगी न हो जाए कि आम छात्र, गरीब छात्र तक इसकी पहुंच ही न हो। महंगी शिक्षा के कारण गरीब छात्रों का शिक्षा से वंचित रह जाना भारतीय शिक्षा जगत की एक बड़ी चुनौती है। शिक्षा का बढ़ता व्यापारीकरण एक बड़ी चुनौती है। इस विषय पर व्यापक चिंतन की जरूरत है, ताकि शिक्षा गरीब छात्र तक भी सुलभ रहे। ऐसा भी देखने में आता है कि निजी शिक्षण संस्थान छात्रों के अभिभावकों से भारी फीस व डोनेशन आदि वसूल करते हैं। निजी स्कूल छात्रों को महंगे दामों पर शिक्षण सामग्री व वर्दी आदि भी बेचते हैं। कापियों, पेंसिल व अन्य शिक्षण सामग्री के नाम पर भारी वसूली होती है, जिस पर रोक लगनी चाहिए। आज गरीब से गरीब परिवार तक, सभी अपने बच्चों को पब्लिक स्कूलों में शिक्षा दिलाना चाहते हैं, लेकिन इन स्कूलों के भारी-भरकम खर्चों को देखते हुए कई बार गरीब अभिभावक इन स्कूलों में अपने बच्चों को दाखिल नहीं करवा पाते हैं। शिक्षा जगत की एक चुनौती यह भी है कि सरकारों के शिक्षा पर व्यापक खर्च के बावजूद सरकारी स्कूलों में दाखिल होने वाले छात्रों की संख्या निरंतर घट रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रचलन यह बनता जा रहा है कि कम छात्र संख्या वाले स्कूलों को या तो बंद किया जा रहा है।

-डा. वरिंद्र भाटिया, कालेज प्रिंसीपल

राशिफल

भाद्रपद कृष्ण पक्ष : तृतीया | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
खर्च की अधिकता। अनाब-शनाब खर्चे। सर दर्द, नेत्र पीड़ा। अज्ञात भय। स्वास्थ्य प्रभावित है, मानसिक स्थिति प्रभावित है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मानसिक स्थिति थोड़ी सी डरी-डरी रहेगी। प्रेम में तू-तू मैं-मैं। बच्चों की सेहत में परेशानी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
कोर्ट-कचहरी में हर का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक आय स्थिरता बनी रहेगी। सीने में विकार संभव है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
अपमानित होने का भय रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित है। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम। व्यापार भी मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पे ध्यान दें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
शत्रु परेशान करेंगे लेकिन उनकी हार होगी। थोड़ा स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान का साथ है। व्यापार भी सही रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
मन परेशान रहेगा। बच्चों को लेकर के मन परेशान रहेगा। प्रेम में तू-तू मैं-मैं। नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी में परेशानी होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यावसायिक स्थिरता दिख रही है। नाक, कान और गले की परेशानी हो सकती है। अपनों का स्वास्थ्य प्रभावित।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
धन हानि का संकेत है। कुटुंबो में खलबली रहेगी। झगड़ा, झंझट होगा। गंदी भाषा के प्रयोग से बचना चाहिए आपको।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। मन डरा-डरा सा रहेगा। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान प्रभावित दिख रहा है।

आरक्षण में वर्गीकरण के विरोध में समाजवादी वाहिनी ने सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आरक्षण वर्गीकरण के विरोध में कल समाजवादी बाबा साहेब वाहिनी के नेतृत्व में जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया तथा राष्ट्रपति के नाम 10 सूत्रीय एक ज्ञापन जिलाधिकारी मनीष वर्मा को सौंपा।

प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी सहित अन्य समाजवादी पार्टी के नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा किभाजपा आरक्षण विरोधी है और धीरे-धीरे उसे समाप्त करना चाहती है। आरक्षण में वर्गीकरण भी उसी का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भाजपा दलितों, वंचितों, शोषितों और पिछड़ों से छल कर रही है और संविधान में मिले उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन कर रही है।

समाजवादी पार्टी आरक्षण में किया जा रहे वर्गीकरण का पुरजोर करते हुए दलित वंचित शोषित और पिछड़ों अधिकारों से किसी भी कीमत पर छेड़छाड़ नहीं करने देगी। इस मौके पर समाजवादी बाबा साहब वाहिनी के जिलाध्यक्ष हुकम सिंह भारती ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और प्रदेश की सरकार द्वारा एससी-एसटी समाज का उत्पीड़न किया जा रहा है, भाजपा सरकार उन्हें उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित करने का प्रयास कर रही है। देश में आरक्षण खत्म करने की साजिश की जा रही है। इस मौके पर समाजवादी बाबा साहब वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल आर्यन ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय को अपने असंवैधानिक फैसले पर पुनर्विचार करते हुए फैसले को तुरंत वापस लेना चाहिए।

आरक्षण वर्षों से भेदभाव का दंश झेल रहे समाज को मुख्य धारा में जोड़ने का एकमात्र साधन है। कुछ मनुवादी मानसिकता के लोग आरक्षण को समाप्त करने की साजिश करने में लगे हुए है। इस मौके पर मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष इन्दर प्रधान, राकेश गौतम एडवोकेट, मुकेश सिसोदिया, यूनुस प्रधान, लाल सिंह गौतम, कपिल ननका सैफी, हरवीर प्रधान, रोहित मत्ते गुर्जर, श्याम सिंह भाटी, विष्णु सिंह, नवीन भाटी, विनीत यादव, योगेश गौतम, सुभाष भाटी, दिगंबर गौतम, वकील सिद्दीकी, गौरव भाटी, मुरारी लाल गौतम, सतीश गौतम, ब्रह्मपाल भाटी, सतपाल यादव, राहुल गौतम, महेश जाटव चेयरमैन, गगन प्रकाश, ओमप्रकाश गौतम आदि मौजूद रहे।

दबंग ने दंपत्ति को डंडे से पीटा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के चोटपुर कॉलोनी में एक दबंग व्यक्ति ने पति-पत्नी के साथ मारपीट करके घायल कर दिया। मारपीट करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया।

चोटपुर कॉलोनी में रहने वाले प्रदीप कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ 19 अगस्त को सब्जी लेकर अपने घर जा रहा था। चेतराम वाली गली में पानी के प्लांट के पास बाले यादव ने उसे रोक लिया और गाली-गलौज शुरू कर दी। उसने जब गाली देने का विरोध किया तो बाले यादव ने डंडे से उसे मारना शुरू कर दिया। इस दौरान जब उसकी पत्नी रामकली ने बीच बचाव का प्रयास किया तो बलराम ने डंडे से उसकी भी पिटाई कर दी। आरोपी ने दोनों को मारपीट कर घायल कर दिया। झगड़ा होता देखकर आस-पड़ोस के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। इसके बाद आरोपी पुलिस में शिकायत दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

ढाबे में गुपचुप पिला रहे थे शराब

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के चिटहेड़ा गांव के पास जीटी रोड पर बने ढाबे में अवैध रूप से शराब पिला रहे दो लोगों को आबकारी विभाग की टीम ने दबोच लिया। आबकारी विभाग की टीम ने मौके से अवैध शराब भी बरामद की है।

आबकारी निरीक्षक आशीष पांडे ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि जीटी रोड पर स्थित आदर्श ढाबा पर अवैध रूप से शराब पिलाई जा रही है। सूचना के आधार पर विभाग की टीम ने तुरंत ढाबे पर छापा मारा। इस दौरान दो-तीन व्यक्ति यहां शराब पीते हुए मिले। आबकारी विभाग की टीम को देखकर शराब पी रहे लोग मौके से फरार हो गए। आबकारी विभाग की टीम ने ढाबा चला रहे यासीन व आनंद से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि वह ढाबे पर लोगों को भोजन परोसने के साथ-साथ शराब पीने की सुविधा भी उपलब्ध कराते हैं। टीम ने जब ढाबे में बने कमरे की तलाशी ली तो वहां से 12 टेट्रा पैक ट्विन टावर देसी शराब, एक पव्वा रॉयल स्टैग का बरामद हुआ। दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया गया।

शादी के 18 साल बाद महिला ने की आत्महत्या, पति पर मामला दर्ज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर में एक व्यक्ति ने अपने बहनोंई सहित चार लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है पीड़ित का कहना है कि आरोपियों की प्रताड़ना से त्रस्त होकर उसकी बहन ने आत्महत्या कर ली थी। ग्राम जफरगढ़ थाना जेवर निवासी जसवीर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी बहन लक्ष्मी की शादी करीब 18 वर्ष पहले ग्राम भोल्डा जनपद पलवल हरियाणा निवासी डालचंद के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही डालचंद उसके भाई पवन, नारंग उर्फ फौजी तथा उसकी बहन ने लक्ष्मी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित होकर लक्ष्मी ने 21 अगस्त को सिरसा गांव के जंगल में आत्महत्या कर ली। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

किशोरी को भगाकर ले गया ट्यूटर

नोएडा (चेतना मंच)। गढ़ी चौखंडी गांव में एक युवक ने गुरु-शिष्य के पवित्र रिश्ते को कलंकित कर दिया। किशोरी को पढ़ाने वाला ट्यूटर उसे बहला-फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी के पिता ने ट्यूटर व उसके पिता के खिलाफ थाना फेज-3 में मामला दर्ज कराया है।

राकेश (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपने परिजनों के साथ गढ़ी चौखंडी गांव में किराए पर रह रहा है। उसके पड़ोस में रहने वाला सुधीर उसकी (12 वर्षीय) बेटी को ट्यूशन पढ़ाता था। 16 अगस्त को उसकी बेटी लापता हो गई। उसने जब खोजबीन की तो पता चला कि सुधीर उसे बहला-फुसलाकर कर ले गया है। वह जब सुधीर के घर पहुंचे तो उसके घर पर ताला पड़ा हुआ था और उसके परिवारजन फरार थे। राकेश ने सुधीर और उसके पिता राम किशोर के खिलाफ अपनी बेटी का अपहरण करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी युवक व उसके पिता की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

हिन्दू हृदय सम्राट के अवतार में नजर आए उत्तर प्रदेश के मुखिया

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को एक अलग ही अवतार में नजर आए। उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर एक खास कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के ष्टरू योगी पूरी तरह से हिन्दु हृदय सम्राट के अवतार में दिखाई दिए। कल्याण सिंह को याद करते हुए उत्तर प्रदेश के ष्टरू योगी ने पूरी तरह से एक हिन्दुवादी नेता की तरह से भाषण दिया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके समर्थक सबसे बड़ा हिन्दू समर्थक मानते हैं। अनेक मौकों पर उत्तर प्रदेश के ष्टरू योगी को उनके समर्थक हिन्दू हृदय सम्राट बोलकर संबोधित करते रहते हैं। बुधवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बड़े हिन्दुवादी नेता वाला भाषण दिया। हिन्दू कोई जाति मत तथा मजहब नहीं है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हिंदू कोई जाति, मत और मजहब नहीं है। यह किसी संकीर्ण दायरे का माध्यम नहीं है। यह भारत की सुरक्षा, एकता और एकाग्रता की गारंटी है। कल्याण सिंह की तृतीय पुण्यतिथि ' पर आयोजित 'हिंदू गौरव दिवस' कार्यक्रम में पूर्व सीएम को श्रद्धांजलि देने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि हमें याद रखना होगा जब तक भारत का मूल सनातन हिंदू समाज मजबूत है, भारत की एकता व अखंडता को दुनिया की कोई ताकत चुनौती नहीं दे सकती। लेकिन, जिस दिन एकता खंडित होगी उस दिन भारत को फिरके-फिरके में बांटने की विदेशी साजिशें सफल हो जाएंगी।

राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें इन साजिशों को सफल नहीं होने देना है। जो लोग आपको बांटने का काम कर रहे हैं, इनके चेहरे, चाल और चरित्र अलग है। मुख्यमंत्री ने कल्याण सिंह के संघर्षों और चुनौतियों की यात्रा को शिखर से शून्य की यात्रा करार देते हुए कहा कि कोई व्यक्ति कल्याण सिंह अचानक नहीं बन जाता। उनकी तरह बनने के लिए संघर्ष, चुनौती, त्याग और बलिदान का मार्ग चुनना पड़ता है।

पृष्ठ एक के शेष....

क्राइम सीन...

मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान कहा कि अप्राकृतिक मौत मामले में जानकारी सुबह 10.10 बजे दी गई, जबकि अपराध स्थल को 11.45 बजे सुरक्षित किया गया। यह बेहद परेशान करने वाला तथ्य है। सीजेआई ने पूछा कि क्या आरोपियों का मेडिकल टेस्ट हुआ। इस सीबीआई के वकील ने कहा कि उन्हें मेडिकल रिपोर्ट नहीं मिली। सीबीआई ने पांचवें दिन जांच शुरू की थी। इससे पहले कोलकाता पुलिस ने मामले की जांच की जिसमें लापरवाही बरती गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले में सुप्रीम कोर्ट में बंगाल सरकार का पक्ष रखने वाली कानूनी टीम में 21 वकील शामिल हैं। वहीं केंद्र सरकार की कानूनी टीम में 5 वकील शामिल हैं।

हड़ताली डाक्टर...

रेजिडेंट डॉक्टर्स ने कहा कि उनके विरोध के कारण अब उन पर हमला किया जा रहा है। उन्हें परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जा रही है। इस पर सीजेआई ने कहा कि अगर वे ड्यूटी पर हैं तो उन्हें अनुपस्थित नहीं माना जाएगा और अगर वे ड्यूटी पर नहीं हैं तो कानून का पालन किया जाएगा। उन्हें पहले काम पर लौटने के लिए कहें। कोई भी डॉक्टर के खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं करेगा। अगर उसके बाद कोई परेशानी होती है तो हमारे पास आएं, लेकिन पहले उन्हें काम पर लौटने दें।

वहीं, पीजीआई चंडीगढ़ के डॉक्टर्स की ओर से दलील दी गई कि डॉक्टरों को परेशान किया जा रहा है। वे सुबह एक घंटे रैली करते हैं और फिर काम पर लग जाते हैं, लेकिन वे भी परेशान किया जा रहा है। इस पर सीजेआई ने कहा कि इन संस्थानों को चलाने वाले अनुभवी निदेशक कभी ऐसा कुछ नहीं करेंगे। डाक्टर्स ने कहा कि उनकी छुट्टियां काटी जा रही हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि एक बार जब डॉक्टर्स काम पर वापस आ जाएंगे तो हम अधिकारियों पर दबाव डालेंगे कि वे प्रतिकूल कार्रवाई न करें अन्यथा अगर डॉक्टर काम नहीं करेंगे तो सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचा कैसे चलेगा। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि इस अदालत से मिलने वाले आश्वासन से डॉक्टर्स को संतुष्टि मिलनी चाहिए।

सीजेआई ने कहा कि हमने नेशनल टास्क फोर्स बनाई है। इस व्यापक राष्ट्रीय टास्क फोर्स का मकसद यह है कि सभी हितधारकों से परामर्श किया जाएगा, जिसमें रेजिडेंट डॉक्टर भी शामिल हैं। इसलिए उनकी बात सुनी जाएगी। यदि आप हमारे आदेश को देखें तो हमने वास्तव में उसी पहलू को उजागर किया है कि सार्वजनिक अस्पतालों की एक ढर्रे पर काम होता है। जूनियर डॉक्टर कई तरह के उत्पीड़न झेल रहे हैं, न कि केवल यौन उत्पीड़न। हमें बहुत सारे ईमेल मिले हैं और हम पर बहुत ज्यादा दबाव है। 48 या 36 घंटे की ड्यूटी अच्छी नहीं है।

राज्यमंत्री व डीएम...

अधिकारी प्रमोद कुमार तथा स्कूल के बच्चों द्वारा काकोरी कांड के अवसर पर पृथला खंजरपुर गांव में ग्राम सभा भूमि पर वृक्षारोपण किया गया था।

इस अवसर पर 5100 पौधे लगाए गए थे तथा करीब 1800 पौधे लगाने के लिए रखे गए थे। 20 अगस्त की रात्रि को पृथला खंजरपुर गांव के अरुण कुमार, सुभाष, बाबूराम व लाला ने ट्रैक्टर व हेरो के द्वारा जुताई कर पौधारोपण किए गए पौधों को नष्ट कर दिया।

उन्होंने बताया कि आरोपियों ने ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा करने की कोशिश में पौधों को नष्ट किया है। वन विभाग के बीट प्रभारी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रही है।

सैकड़ों कर्मचारियों...

ओएसडी महेन्द्र प्रसाद तथा देवेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफ्ओ) मनोज कुमार सिंह, फैलिक्स हॉस्पिटल के सीएमडी डा. डीके गुप्ता, एनईए के अध्यक्ष चौ. राजकुमार, महासचिव जीतेन्द्र कुमार, नीरज राणा, सुभाष कुमार आदि सभी पदाधिकारी तथा सैकड़ों सदस्य मौजूद थे।

पति का दूसरी महिला...

ने उसके साथ गंदी हरकत की। उसने जब इसकी शिकायत अपने पति अमन से की तो उसने मारपीट की और उस पर पिस्तौल तानकर जान से मारने की धमकी दी। उसके पति व ससुरलवालों ने उसे एक कमरे में बंद कर दिया। उसके पति ने कहा कि वह उसकी जिंदगी से निकल जाए और वह अपनी प्रेमिका के साथ ही रहेगा। पीड़िता के मुताबिक किसी तरह वह ससुराल वालों के चंगुल से निकलकर मायके पहुंची। रक्षाबंधन वाले दिन उसके परिजन रिश्तेदारी में गए थे। इस दौरान उसका पति व एक अन्य अज्ञात व्यक्ति उसके घर पहुंचे। उसके पति अमन ने उसकी कनपटी पर पिस्तौल रखकर उसे तथा परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी पति व ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

ऑटो चालक ने...

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। युवक द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑटो नंबर के आधार पर चालक की तलाश की जा रही है।

भाजपा का सदस्यता...

जिसमें सासद डॉ. महेश शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी कांता कर्दम, पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी जिला पदाधिकारी, मंडल प्रभारी, मोर्चों और मंडलों के अध्यक्ष महामंत्री उपस्थित रहेंगे। सदस्यता अभियान में सांसद को 20 हजार एवं विधायक को 10 हजार सदस्य बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। यह अभियान 1 सितम्बर से 25 सितंबर तक पहला चरण चलेगा। 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर सदस्यता अभियान द्वितीय चरण चलेगा। 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता अभियान चलेगा।

जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि 1 नवंबर से 10 नवंबर तक प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्यता का रजिस्टर तैयार किया जायेगा। इस अभियान में सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सहयोग करेंगे और नोएडा महानगर से नए सदस्य बनाने का रिकॉर्ड बनायेगे। सदस्यता अभियान के लिए जिला एवं मंडल बूथ स्तर पर टीम गठित की जायेगी 5 सितंबर को जिला स्तर पर सदस्यता अभियान के कार्यक्रम का आयोजन होगा उस दिन जिले में सदस्यता अभियान का शुभारंभ हो जायेगा और 17 सितंबर तक सदस्यता का विशेष अभियान चलाया जाएगा इसके लिए पार्टी ने जिला महामंत्री उमेश त्यागी को सदस्यता अभियान का जिला प्रमुख बनाया है एवं उनके सहयोग के लिए जिला उपाध्यक्ष गिरीश कोटनाला,उमेश यादव एवं सारदा चतुर्वेदी,मधु मेहरा को सहप्रमुख बनाया गया है इसी तरह सभी मंडलों में एक पदाधिकारी प्रमुख एवं 2 सहप्रमुख बनाए गए है। पार्टी के सभी मोर्चे जगह जगह विशेष कैंप लगाकर भी सदस्य बनाएंगे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

आलूबुखारा के रोग

लक्षण, प्रभाव और नियंत्रण

आलूबुखारा की फसल में कई प्रकार के रोग लग सकते हैं, जो उत्पादन और गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। रोगों के कारण पौधों की वृद्धि और विकास रुक जाता है, जिससे फल की संख्या और आकार में कमी आती है। रोगों से किसान की कुल पैदावार में गिरावट होती है। इन प्रभावों से बचने के लिए आलूबुखारा की फसल में समय पर रोगों की पहचान, रोकथाम और प्रबंधन आवश्यक होता है। सही समय पर उचित कदम उठाने से नुकसान को कम किया जा सकता है और फसल की गुणवत्ता और उत्पादन को बनाए रखा जा सकता है।

कैंकर रोग

कैंकर संक्रमित कलियों के आधार पर तने और प्रमुख शाखाओं पर विकसित होते हैं। कैंकर संक्रमण के स्थान के ऊपर तेजी से फैलते हैं, जबकि नीचे कम फैलते हैं और केवल किनारों पर थोड़े से फैलते हैं। इसका परिणाम एक लंबा और संकरा कैंकर होता है। कैंकर गिरावट और सर्दियों के दौरान विकसित होते हैं, लेकिन देर से सर्दियों और शुरूआती वसंत तक दिखाई नहीं देते। क्षतिग्रस्त क्षेत्र थोड़े धंसे हुए और आसपास की छाल की तुलना में थोड़े गहरे रंग के होते हैं। जैसे ही पेड़ वसंत में निष्क्रियता से बाहर आता है, गोंद बनने लगता है और पेड़ के बाहर से नीचे की ओर बहता है।

कैंकर से खट्टा सा गंध आती है। यह बैक्टीरिया एक कमजोर रोगजनक है और केवल तब गंभीर क्षति पहुंचाता है जब पेड़ लगभग निष्क्रिय अवस्था में होता है या प्रतिकूल बढ़ती परिस्थितियों के कारण कमजोर हो जाता है।

रोग नियंत्रण के उपाय

- रोग की रोकथाम के लिए देर गर्मियों में उच्च मात्रा में खाद का उपयोग करने से बचें। नयी टहनियों, देर से होने वाली शरद ऋतु की वृद्धि अधिक आसानी से संक्रमित हो जाती है।
- पेड़ों की छंटाई तब करें जब वे पूरी तरह से निष्क्रिय अवस्था में हों (जनवरी और फरवरी में)।
- जो पेड़ बैक्टीरियल कैंकर के संकेत दिखा रहे हों, उन्हें आखिरी में छांटें, जब बाकी सभी पेड़ों की छंटाई पूरी हो जाए।
- जैविक फफूंदनाशकों का छिड़काव करें।
- संतुलित हो खाद का प्रयोग, देर से उगने वाले नाजुक पौधों को बचाएं।

भूरी सड़न रोग

आलूबुखारा भूरी सड़न का फफूंद (फंगस) फूलों की सूजन (ब्लॉसम ब्लाइट) या फलों की सड़न का कारण बन सकता है। सतही नमी और मध्यम गर्म तापमान इसके विकास को प्रोत्साहित करते हैं। हवा, ओलावृष्टि, कीटों या यांत्रिक क्षति से प्रभावित फल इस जीवाणु के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। संक्रमित फूल भूरे और पानी से भरे हुए दिखते हैं। यह फफूंद डंठल से तने तक फैलती है, जिससे शाखाएं सूख सकती हैं। रोगग्रस्त फूल-फल आमतौर पर भूरे फफूंदी के 'गुच्छों' से ढक जाते हैं। फलों का संक्रमण आमतौर पर परिपक्वता के पास होता है। यह फफूंद जीवाणु सर्दियों में ममीकृत फलों, तनों के कैंकर व पुराने फलों के डंठलों में जीवित रहता है।

रोग नियंत्रण के उपाय

- प्रभावित फल को तुरंत हटाएं और नष्ट करें।
- गीले मौसम में फल पर फफूंदनाशक छिड़कें।
- नियमित छंटाई करें ताकि पौधों में वायु संचार हो सके।

बैक्टीरियल स्पॉट

इस रोग के लक्षण सबसे पहले छोटे, अनियमित आकार के धब्बों के रूप में दिखाई देते हैं। ये धब्बे हल्के हरे होते हैं, जो आसपास के गहरे हरे ऊतकों के विपरीत होते हैं। उन्नत चरणों में, कोणीय धब्बे बनते हैं, जो हल्के रंग के ऊतकों की एक आभा से घिरे होते हैं। घाव का आंतरिक हिस्सा काला हो जाता है और गिर जाता है, जिससे पत्ते को 'फटा हुआ' या 'शॉट होल' जैसा रूप मिलता है। बैक्टीरियल स्पॉट से अत्यधिक संक्रमित पत्ते पीले हो जाते हैं और गिर जाते हैं। पत्तों के धब्बे मुख्य रूप से पत्तियों के सिरे की ओर केंद्रित होते हैं। फल संक्रमण, पत्तियों के संक्रमण की तुलना में कम होता है।

जब यह होता है, तो छोटे धब्बे विकसित होते हैं और इन धब्बों से गोंद बह सकता है। अत्यधिक संवेदनशील किस्में जैसे मेथले और सांता रोजा में फल संक्रमण की संभावना अधिक होती है, जबकि मॉरिस, ब्रूस या ओजार्क प्रीमियर में यह कम होता है। यह बैक्टीरिया संक्रमित टहनियों में सर्दियों में जीवित रहता है।

रोग नियंत्रण के उपाय

- इस रोग के नियंत्रण में रासायनिक नियंत्रण प्रभावी नहीं रहा है।
- प्रारंभिक और देर से निष्क्रिय अवस्था में कॉपर स्प्रे से नियंत्रण में सहायता मिलती है। उचित पोषण भी महत्वपूर्ण होता है।

□□

अदरक को गमले में कैसे उगाएं

सर्दियों में हर किसी को अदरक वाली चाय चाहिए। हर कोई अदरक की कड़क चाय का फैन है। साथ ही अदरक का उपयोग डेली के खाने व पकवानों में भी जायका बढ़ाने के लिए। ठंड का मौसम आ गया है। शीतलहर की भी शुरुआत हो गई है। इस मौसम में लोगों के बीमार होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। ठंड के मौसम में दैनिक उपयोग से अदरक इम्यूनिटी बूस्टर का काम करता है।अदरक में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जिससे अदरक हमें बीमारियों से भी बचाता है। अदरक के स्वास्थ्य संबंधी भी कई फायदे हैं। इसीलिए आयुर्वेद ग्रंथ चरक संहिता में इसे महाऔषधि (सुपर मेडिसिनल हर्ब) का दर्जा दिया गया है।

दादी नानी के नुस्खे में भी कई तरह की बीमारियों के खिलाफ भी अदरक के सेवन की सलाह दी जाती है। अदरक में कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व जैसे विटामिन सी, कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, जिंक, कॉपर, मैंगनीज और क्रोमियम पाए जाते हैं । हालांकि, हम सभी लोगों को पता है कि अदरक को खेतों में ही उगाया जाता है लेकिन कुछ सिंपल टिप्स की मदद से इसे घर की बालकनी में भी गमले में उगाया जा सकता है।

मिट्टी का चयन और तैयारी

- अदरक के पौधा बोने के लिए सबसे पहले एक गमला ले लें। गमले को धूप में रखें ताकि उसमें पहले से मौजूद कीटों या रोगणुओं के अंडे नष्ट हो जाएं। या फिर उसे मेन्कोजेब नामक दवा उपचारित कर लें।
- मिट्टी और काकपिट को मिक्स कर मिट्टी तैयार कर लें गमले मिट्टी की सही मात्रा डालें। गमले मेने पानी डालकर उसे धूप वाले स्थान पर रख दें। इससे मिट्टी सही तरीके से तैयार हो जाती है।

अदरक के बीज की गमलों में बुवाई

अदरक को अंकुरित करके दो या तीन इंच तक काटकर बीज उपचार मैंकोजेव फफूंदी से करने के बाद ही प्रर्वधन हेतु उपयोग करना चाहिए। इसके बाद गमले में मिट्टी में कम से कम दो या तीन इंच अंदर तक लगा सकते हैं।

गमलों में लगा अदरक कितने दिन में तैयार हो जाता है

अदरक में पानी अधिक नहीं डालना चाहिए। इससे पौधे खराब हो सकते हैं। कीड़ो व रोगों से बचाने के लिए नींबू पानी का घोल बनाकर उसका छिड़काव करें। साथ ही बता दें अदरक को उगने में 20 से 25 दिन का समय लगता है। 25 दिनों बाद गमले से अदरक निकालकर उपयोग किया जा सकता है।

गन्ने का लाल सड़न रोग

लक्षण, पहचान और रोकथाम

गन्ना हमारे देश की एक महत्वपूर्ण औद्योगिक नगदी फसल है। यह गुड़ और शक्कर उत्पादन का प्रमुख स्रोत है, भारत विश्व में दूसरे स्थान पर गन्ने का उत्पादन करता है। फिर भी, प्रति हेक्टेयर गन्ने की उपज अपेक्षाकृत कम है। इसके कई कारणों में प्रमुख कारण गन्ने के रोग हैं, जिनसे उत्पादन, गुड़ और शक्कर की गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इनमें सबसे खतरनाक रोग लाल सड़न है, जिसे गन्ने का कैंसर भी कहा जाता है।

लाल सड़न रोग के लक्षण

लाल सड़न मुख्य रूप से खड़ी फसलों को प्रभावित करता है, जो अप्रैल से जून के दौरान अंकुरण के समय व उसके बाद फसल को नष्ट कर सकता है। मानसून में या उसके बाद गन्ने की फसल में यह रोग दिखाई देता है। इसके प्रमुख लक्षण यह हैं:-

निचली पत्तियों का सूखना: सबसे पहले निचली पत्तियों के सिरे और किनारे सूखने लगते हैं। कुछ दिनों बाद पूरी पत्ती सूख जाती है, और डंठल का रंग बैंगनी हो जाता है।

डंठल के आंतरिक ऊतक लाल हो जाते हैं: डंठल के आंतरिक ऊतकों का लाल रंग मुख्य लक्षण है, जो सफेद अनुप्रस्थ धारियों से बाधित होते हैं। प्रभावित ऊतकों से एक विशेष प्रकार की मादक गंध उत्पन्न होती है, जो इस रोग का विशिष्ट संकेत है।

डंठल का खोखला होना: कुछ समय बाद डंठल खोखले हो जाते हैं, और अंदरूनी ऊतक सूखकर सिकुड़ जाते हैं। इनमें कवक मायसेलियम भर जाते हैं, जिससे डंठल की संरचना कमजोर हो जाती है।

पत्तियों पर लाल धब्बे: कवक के कारण पत्तियों पर लाल रंग के लंबे घाव और धब्बे उत्पन्न होते हैं। गंभीर संक्रमण के मामलों में पत्तियों पर छोटे, लाल-भूरे धब्बे भी दिखाई देते हैं।

काले बीजाणु और चाबुक जैसी संरचना: डंठल के शीर्ष पर काले चाबुक जैसी संरचना उत्पन्न होती है। प्रारंभिक अवस्था में यह सफेद झिल्ली से ढकी रहती है, जो परिपक्व होने पर फट जाती है और काले बीजाणु बाहर निकल आते हैं।

ये भी पढ़ें: जायद में गन्ना की बुवाई की वर्टिकल विधि और इसके क्या-क्या लाभ हैं?

लाल सड़न रोग की पहचान

मौसम के अंत में शीर्ष पत्तियों के पीले पड़ने और मुरझाने से इस रोग की पहचान होती है। गन्ने तेजी से सूखने लगते हैं और हल्के तथा खोखले हो जाते हैं। विभाजित करने पर, नोड्स पर लाल धारियां दिखाई देती हैं, और प्रभावित ऊतक से विशेष मादक गंध निकलती है।

रोग की रोकथाम के उपाय

□ गन्ने को शारीरिक क्षति से बचाना चाहिए, क्योंकि यांत्रिक क्षति से रोग फैलने की संभावना बढ़ जाती है।

□ संक्रमित डंठलों को हटा दें, ताकि रोग आगे न फैले।

□ बचाव के लिए रोग प्रतिरोधी किस्मों का रोपण करें।

□ खेत की सफाई और उचित जल निकासी सुनिश्चित करनी चाहिए, जिससे नमी के कारण रोग फैलने की संभावना कम हो।

□ फफूंदनाशी का छिड़काव और जैविक उपचार का उपयोग रोग नियंत्रण में सहायक हो सकता है।

□ रोग की रोकथाम के लिए रोपण से पहले कार्बेन्डाज़िम के साथ सेट उपचार अपनाएं। (0.5 ग्राम 1 लीटर पानी में) या (1 ग्राम 1 लीटर पानी में) के साथ 2.5 किलोग्राम यूरिया को 250 लीटर पानी में मिलाकर इस्तेमाल करें।

□ फफूंदरोधी रसायनों जैसे बाविस्टिन, बेनोमाइल, टॉप्सिन और एरेटन का 0.1 प्रतिशत घोल 52 डिग्री पर 18 मिनट के लिए सेट्स को डुबाने के लिए उपयोग करें, जो लाल सड़न संक्रमण को लगभग पूरी तरह समाप्त कर देता है।

●●

खास खबर

बाढ़ में शौचालय की शटरिंग खोलने के दौरान चार की मौत

पटना। पटना जिले में बाढ़ अनुमंडल अन्तर्गत बाढ़ थाना क्षेत्र के पुराई बाग में शौचालय की टंकी की शटरिंग खोलने के दौरान चार लोगों की मौत हो गई। यह हादसा शटरिंग खोलने के दौरान हुआ। पुलिस के मुताबिक नवनिर्मित शौचालय टंकी की शटरिंग खोलने के लिए अंदर गए मजदूर फंस गये। उन्हें सांस लेने में काफी परेशानियां होने लगी। इस दौरान एक के बाद एक सभी अंदर फंसते चले गए। इसके बाद एक-एक कर सभी लोग वहीं बेहोश होने लगे। मामले की सूचना मिलते ही एसडीपम शुभम कुमार ने ऑक्सीजन युक्त एंबुलेंस मौके पर भेजा। फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। चारों मजदूरों को बाहर निकालकर अनुमंडल अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना को लेकर बाढ़ एसडीएम शुभम कुमार ने चारों मजदूरों के टंकी में फंसने और उनके शव बरामद कर लेने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शौचालय की टंकी की सफाई करने के दौरान यह हादसा हुआ है। हमारे तरफ से ऑक्सीजन युक्त एंबुलेंस मौके पर भेजा गया। बाबजूद इसके चार लोगों की मौत हो गई है। प्रशासन की टीम जांच-पड़ताल कर रही है।

दस बोतल अंग्रेजी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

अररिया । जोगबनी थाना पुलिस और सीमा पर तैनात एसएसबी के जवानों ने संयुक्त रूप से भारत नेपाल के कुसमाहा बॉर्डर के पास से बुधवार को एक युवक को दस बोतल अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया। पकड़ा गया युवक पिपरा पंचायत के वार्ड संख्या दस का रहने वाला अमित पासवान पिता -रामू पासवान है।युवक नेपाल से तस्करी कर शराब को भारतीय क्षेत्र में ला रहा था।इसी क्रम में एसएसबी और जोगबनी थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में धरा गया।इस बात की पुष्टि करते हुए जोगबनी थानाध्यक्ष राजीव कुमार आजाद ने गिरफ्तार युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में जेल भेज देने की बात कही।

बंगाल से शराब ला रहे तस्कर अनुप गिरफ्तार

किशनगंज । सदर थाने की पुलिस ने एनएच 27 पर खगड़ा के समीप से कुख्यात शराब तस्कर अनुप दास को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सदर पुलिस ने बंगाल से शराब लेकर जिले में प्रवेश करने के दौरान वीर कुंवर सिंह बस स्टैंड के समीप रुईधासा ओवर ब्रिज से शराब के साथ गिरफ्तार किया है। सदर थाना के एसएलटीएफ प्रभारी रविशंकर कुमार को गुप्त सूचना मिला था कि एक शराब तस्कर बंगाल से शराब लेकर किशनगंज बस स्टैंड आ रहा है। सूचना मिलते ही एसएलटीएफ प्रभारी अपने टीम के साथ बस स्टैंड पहुंचकर तस्कर के आने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान तस्कर बस स्टैंड से एक ई-रिक्शा में सवार होकर रुईधासा ओवरब्रिज से डे मार्केट की तरफ जा रहा था। जिसके बाद टीम ने पीछा करते हुए ई-रिक्शा को रोक कर सवारी की जब तलाशी ली गई तो तस्कर के पास बैग से शराब बरामद हुआ।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 77.06 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। लंबे समय कीमत स्थिर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में उतार-चढ़ाव जारी है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये, डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन बुधवार को शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.14 डॉलर यानी 0.18 फीसदी की गिरावट के साथ 77.06 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.33 डॉलर यानी 0.44 फीसदी लुढ़कर 74.04 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में मामूली खरीदारी होने के बाद बिकवाली ने बाजार पर अपना दबाव बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरते चले गए। हालांकि बाद में खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण इन दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होता हुआ नजर आने लगा। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार

होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से डिवीज लेबोरेट्रीज, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और नेस्ले के शेयर 3.15 प्रतिशत से लेकर 1.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर 1.50 प्रतिशत से लेकर 0.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,261 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,577 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 684 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 17 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 135.61 अंक टूट कर 80,667.25 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर कुछ देर के लिए हरे निशान में 80,814.75 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इसने 175.83 अंक की कमजोरी के साथ 80,627.03 अंक तक गोता भी लगा दिया। हालांकि इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार होता नजर आ रहा है। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 38.18 अंक की गिरावट के साथ 80,764.68 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 18.30 अंक की गिरावट के साथ 24,680.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में 24,654.50 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 18.35 अंक की मजबूती के साथ 24,717.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 378.18 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 80,802.86 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 126.20 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,698.85 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

आईडीबीआई बैंक ने उत्सव फिक्स्ड डिपॉजिट पर ज्यादा ब्याज दरें पेश कीं

रांची : आईडीबीआई बैंक ने सीमित अवधि की उत्सव फिक्स्ड डिपॉजिट योजना पर ज्यादा ब्याज दरें प्रदान करने की घोषणा की है। बैंक 444 दिन और 375 दिन की अवधि के लिए अब 7.85% और 7.75% प्रति वर्ष की अधिकतम ब्याज दर प्रदान कर रहा है। ब्याज दरों में इस बढ़ोत्तरी ने उत्सव फिक्स्ड डिपॉजिट को बेहतर रिटर्न चाहने वाले ग्राहकों के लिए और भी ज्यादा आकर्षक बना दिया है। यह सीमित अवधि का ऑफर 30 सितंबर, 2024 तक लागू रहेगा। ग्राहक बैंक की वेबसाइट या मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन या आईडीबीआई बैंक की किसी भी शाखा में जाकर उत्सव फिक्स्ड डिपॉजिट खोल सकते हैं इसके अलावा, आईडीबीआई बैंक उत्सव फिक्स्ड डिपॉजिट योजना के अंतर्गत अन्य विशेष अवधियों के लिए भी बहुत आकर्षक ब्याज दरें प्रदान कर रहा है। 700-दिन की

ग्लोबल मार्केट की अनिश्चितता से सोने के आयात में आई गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली । ग्लोबल मार्केट की अनिश्चितता और सोने के भाव में इस साल लगातार आई तेजी की वजह से देश में सोने के आयात में कमी आई है। मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 4 महीने यानी अप्रैल से जुलाई 2024 के दौरान सोने के आयात में 4.23 प्रतिशत की कमी आई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार अप्रैल से जुलाई के चार महीने में देश में 12.64 अरब डॉलर की कीमत के सोने का ही आयात किया गया है। जबकि पिछले साल अप्रैल से जुलाई की अवधि में 13.21 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था। सिर्फ जुलाई के महीने में ही सोने के आयात में तुलनात्मक रूप से 10.65 प्रतिशत की कमी आई है। इस महीने 3.21 अरब डॉलर कीमत के सोने का

आयात किया गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 3.52 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था। जुलाई के पहले जून के महीने में सोने के आयात में 38.66 प्रतिशत की कमी आई थी। इसी तरह मई के महीने में सोना का आयात 9.76 प्रतिशत घट गया था। हालांकि इसके पहले अप्रैल के महीने में सोने के आयात में तुलनात्मक रूप से जोरदार तेजी आई थी। अप्रैल 2024 में 3.11 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था, जबकि अप्रैल 2023 में सिर्फ 1.06 अरब डॉलर के सोना का आयात किया गया था। आपको बता दे कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर सोने के आयात में 30 प्रतिशत की तेजी आई थी। पूरे साल के दौरान कुल 45.54 अरब डॉलर के सोना का आयात किया गया था। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट शेखर गुप्ता के मुताबिक मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 4 महीने के दौरान सोने के आयात में गिरावट जरूर आई है, लेकिन आने वाले दिनों में इस आयात में तेजी आने की उम्मीद बनी हुई है। गुप्ता के मुताबिक बजट में सोने पर लगने वाले सीमा शुल्क को 15 प्रतिशत से घटकर 6 प्रतिशत कर दिया गया है। इस वजह से घरेलू कारोबारियों के लिए सोने की लागत कम हो गई है। इसके साथ ही सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत घटी है। ऐसी स्थिति में हाजिर सोने की खरीद बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है। इसी तरह एक और बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि बजट में सोने पर लगने वाले सीमा शुल्क को घटाए जाने के कारण अवैध तरीके यानी तस्करी के जरिए विदेश से सोना लाने वाले कारोबारियों के उत्साह में भी कमी आने की संभावना है।

ई-कॉमर्स के विकास के लिए संतुलित दृष्टिकोण की जरूरत : गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ई-कॉमर्स का विकास नागरिक केंद्रित हो। उन्होंने कहा कि देश में 100 मिलियन छोटे खुदरा विक्रेताओं के लिए कोई व्यवधान न हो, ये सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।वाणिज्य मंत्री गोयल ने राजधानी नई दिल्ली में पहले इंडिया फाउंडेशन की 'भारत में रोजगार और उपभोक्ता कल्याण पर ई-कॉमर्स का शुद्ध प्रभाव' पर एक रिपोर्ट को लॉन्च करते हुए यह बात कही। रिपोर्ट विमोचन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स के विकास से समाज के बड़े वर्ग के बीच लाभों के वितरण का लोकतंत्रीकरण होना चाहिए।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी 45 5जी

एजेंसी

रांची : भारत के सर्वश्रेष्ठ 5जी स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला ने आज मोटो जी 45 5जी के लॉन्च की घोषणा की। मोटो जी 45 5जी ने अपने दमदार snapdrogn® 6s Gen3 प्रोसेसर के साथ भारत में किफायती 5जी स्मार्टफोन बाजार में धूम मचा दी है, जो बेहतरीन कनेक्टिविटी के लिए श्क्षफ के अलावा इस सेगमेंट के सबसे ज्यादा 13 5जी बैंड्स के साथ बेहतरीन परफॉर्मेंस देता है। अल्ट्रा-प्रीमियम डिजाइन वाले मोटो जी 45 5जी का लुक शानदार है, जिसे ˝-श्च्ऽ१२ के स्मार्टफोन में पहली बार 3 खूबसूरत पैन्टोन क्यूरेटेड कलर वेरिएंट तथा वीगन लेदर फिनिश के साथ पेश किया गया है। साथ ही यह इस सेगमेंट में सबसे पतला और सबसे हल्का डिवाइस भी है।

यह स्मार्टफोन कई बेमिसाल और इस सेगमेंट में सबसे शानदार फीचर्स की पेशकश करता है, जिनमें 16टद्ध के सेल्फी कैमरे के साथ 50MP Quad Pixel कैमरा, Gorilla® Glass 3 प्रोटेक्शन के साथ 120Hz 6.5" का डिस्प्ले, और Dolby Atmos® के साथ डुअल स्टीरियो स्पीकर शामिल है। इसके अलावा, इसमें स्मार्ट कनेक्ट^, मोटो सिक्योर, फैमिली स्पेसेस, मोटो अनप्लग्ड जैसे कई उम्दा सॉफ्टवेयर फीचर्स भी मौजूद हैं, जो इसे अपने सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ 5जी स्मार्टफोन में से एक बनाते हैं।

वित्त मंत्री से मिले भारती इंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बुधवार को भारती इंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल और भारती इंटरप्राइजेज के उपाध्यक्ष राजन भारती मित्तल ने यहां मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि भारती इंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल और उपाध्यक्ष राजन भारती मित्तल ने नार्थ ब्लॉक स्थित (वित्त मंत्रालय) में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात के दौरान हुई बातचीत का ब्यौरा नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि सुनील भारती मित्तल भारती इंटरप्राइजेज के संस्थापक अध्यक्ष हैं, जो भारत के अग्रणी दूरसंचार, बीमा, रियल एस्टेट, कृषि और खाद्य के अलावा अन्य उपक्रमों में विविध कंपनियों का समूह हैं। समूह की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल दुनिया की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनियों में से एक है।

रामको सीमेंट्स के प्रबंध निदेशक ने वित्त मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से रामको सीमेंट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) पी.आर. वेंकटराम राजा ने बुधवार को मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि रामको सीमेंट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पी.आर. वेंकटराम राजा ने राजधानी नई दिल्ली स्थित नार्थ ब्लॉक (वित्त मंत्रालय) में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात के दौरान हुई बातचीत का ब्यौरा नहीं मिला है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत

एजेंसी

नई दिल्ली । ग्लोबल मार्केट से आज निगेटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में आज मामूली बढ़त नजर आ रही है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। लगातार आठ दिन तक तेजी दिखाने के बाद अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मुनाफा वसूली का शिकार हो गया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एसएंडपी 500

इंडेक्स पिछले सत्र के दौरान 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,597.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डैक ने 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,816.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,871.74 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 1.01 प्रतिशत लुढ़क कर 8,273.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,485.73 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,357.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,738.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,698.55 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,333.14 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.36 प्रतिशत उछल कर 7,561.40 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 37,970.60 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.32 प्रतिशत लुढ़क कर 3,359.41 अंक के स्तर तक गिर गया है।

स्कोडा ऑटो इंडिया लेकर आया, ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी

एजेंसी

मुंबई । स्कोडा ऑटो इंडिया के लिए आज का दिन एक बड़ी उपलब्धि वाला दिन है, क्योंकि कंपनी अपनी ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी के साथ भारत में एक नए युग की ओर कदम बढ़ा रही है। फरवरी में घोषित और इसके डिजाइन के हाल ही में जारी किए गए टीजर के बाद, इस वाहन का नाम एक राष्ट्रव्यापी कैम्पेन के जरिए रखा गया है। हजारों लोगों की पसंद को दर्शाते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया की नई कॉम्पैक्ट एसयूवी का नाम काइलैक (Kylaq) होगा और यह अपने भावी ड्राइवर्स के साथ अनूठा संबंध स्थापित करेगी। इस नाम के अनावरण के अवसर पर, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड

निदेशक, पेट्र जेनेबा ने कहा, हमारी नई एसयूवी काइलैक (Kylaq) भारत के लोगों के लिए बनाई गई है। हम चाहते थे कि ये देश में हमारे अब तक के सबसे बड़े लॉन्च के हर बड़ी उपलब्धि का हिस्सा बनें। इसलिए हम योर स्कोडा कैम्पेन का उद्देश्य प्रतिभागियों और संभावित ग्राहकों के बीच गर्व और अपनेपन की भावना पैदा करना था। 200,000 से अधिक प्रविष्टियों के साथ परिणाम शानदार रहा। यह भारत में हमारी विरासत को मजबूत करता है और ब्रांड स्कोडा के प्रति लोगों के गहरे लगाव को दर्शाती है। कार के नामकरण की प्रक्रिया हमारे लिए महत्वपूर्ण है। और यह आगामी ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी भारत में सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे बड़े सेगमेंट में एक शानदार उपलब्धि है। काइलैक (Kylaq) के साथ, लोगों, ग्राहकों और प्रशंसकों ने खुद ही हमारे परिवार के सबसे नए सदस्य का नाम रखा है। इस एसयूवी को भारत और यूरोप की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। इसे भारत में ही बनाया जाएगा।

बेंगलुरु में इलेक्ट्रिक वाहन परीक्षण सुविधा की होगी आधारशिला

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री प्रह्लाद वेंकटेश जोशी गुरुवार, 22 अगस्त को बेंगलुरु में राष्ट्रीय परीक्षण गृह (एनटीएच) आरआरएसएल कैंप की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परीक्षण सुविधा की आधारशिला रखेंगे। यह इलेक्ट्रिक वाहन परीक्षण सुविधा उद्योग को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगी। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद वेंकटेश जोशी 22 अगस्त को बेंगलुरु में राष्ट्रीय परीक्षण गृह (एनटीएच) आरआरएसएल कैंप की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परीक्षण सुविधा की आधारशिला रखेंगे।

टोयोटा ने हरित वाहन गतिशीलता को दिया बढ़ावा

एजेंसी

रांची : वैश्विक स्तर पर निरंतरता के चैंपियन के रूप में, टोयोटा 2050 तक कार्बन तटस्थता के लिए प्रतिबद्ध है और इसका लक्ष्य 2035 तक विनिर्माण कार्यों में शुद्ध शून्य कार्बन प्राप्त करना है। यह टोयोटा पर्यावरण चुनौतियों 2050 (टीईसी 2050) से निर्देशित होगा। आज, विश्व जैव ईंधन दिवस के अवसर पर, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) सस्टेनेबल मोबिलिटी (जारी रहने योग्य गतिशीलता) के प्रति अपनी कटिबद्धता को दोहराता है। कंपनी करंट एनर्जी मिक्स (चालू ऊर्जा मिश्रण), अनूठी उपभोक्ता आवश्यकताओं, बुनियादी ढांचे की तत्परता और 2047 तक ऊर्जा में 'आत्मनिर्भर' बनने की दिशा में सरकार के विविध प्रयासों जैसे विभिन्न कारकों पर विचार करते हुए कई स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को पेश करके और उनका समर्थन करके अधिक तत्परता के साथ हरित गतिशीलता समाधानों को आगे बढ़ा रही है।भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। आबादी के साथ-साथ देश में जीवाश्म ईंधन की खपत भी तेजी से बढ़ रही है। इससे अप्रैल 2024 के दौरान कच्चे तेल का आयात तीसरे सबसे ऊंचे स्तर के रिकार्ड पर पहुंच गया। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता भारत ने अप्रैल '24 में 21.4 मिलियन टन (एमटी) कच्चे तेल का आयात किया और वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 232.5 मिलियन टन कच्चे तेल का आयात किया (स्रोत: अप्रैल 2024 पीपीएसी डेटा)। गतिशीलता की जरूरतों में बड़ी वृद्धि के कारण, परिवहन क्षेत्र, जो वर्तमान में तेल की मांग का लगभग 50% हिस्सा है।

भारत बंद का नवादा जिले में मिला जुला असर

एजेंसी

नवादा। एससी-एसटी के आरक्षण में क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ बुधवार को भीम आर्मी सहित अनुसूचित जाति के कई संगठनों के बुलावे से भारत बंद का नवादा जिले में मिला जुला असर रहा। युवाओं ने लाठियों के बल पर दुकाने बंद कराई। सरकारी दफ्तर खुले रहे। निजी विद्यालयों पर भी कोई खास असर नहीं देखा गया। बिहार पुलिस के लिए आयोजित किए गए परीक्षा भी शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कर लिए गये। पुलिस की कड़ी व्यवस्था के कारण बन्द का मिलाजुला असर देखा गया जिले में 45 जगह पर सड़क जाम कर यातायात बाधित का प्रयास किया गया। जिसे पुलिसकर्मियों के हस्तक्षेप के बाद हटा लिया गया। कई जगहों पर सड़कों पर आग जलाकर

यातायात बाधित करने का प्रयास किया गया। नवादा जिले के 14 प्रखंडों में भारत बंद को ले हंगामा किया। रजौली के प्रखंड अध्यक्ष चंदन कुमार दास व अखिलेश सरदार चौधरी के संयुक्त नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ सड़को पर उतरे।इस दौरान भीम आर्मी के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने रजौली बाईपास सहित रजौली बाजार,पुरानी बस स्टैंड में दुकानों को बंद कराया। उसके बाद सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने प्राणचक मोड के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग- 20 को जाम कर दिया।राष्ट्रीय राजमार्ग जाम की सूचना पर प्राणचक मोड़ पहुँचे। रजौली थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने राष्ट्रीय राजमार्ग से बैरिकेटिंग किये बास बल्ली को हटाया और कहा कि किसी भी कीमत पर आप लोग राष्ट्रीय राज्यमार्ग को जाम नहीं कर सकते हैं।अगर पुनः सड़क को जाम किया गया तो आप सभी लोगों के ऊपर कानूनी कार्यवाई की जायेगी। इस दौरान भीम आर्मी के प्रखंड अध्यक्ष चंदन कुमार दास ने बताया कि आरक्षण में छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया यह फैसला दलित और आदिवासी विरोधी है। अखिलेश सरदार चौधरी ने बताया एससी-एसटी आरक्षण में वर्गीकरण पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला भारत मे एससी-एसटी वर्ग के सामाजिक उत्थान में बाधक है,जो संविधान के मूल भावना के खिलाफ है,जिससे एससी और एसटी वर्ग के लोगो मे गुस्सा है इस दौरान भीम आर्मी के सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

बंगाल से शराब लेकर जिले में प्रवेश करने के दौरान शराब तस्कर अनुप गिरफ्तार

किशनगंज। सदर थाने की पुलिस ने एनएच 27 पर खगड़ा के समीप से कुख्यात शराब तस्कर अनुप दास को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सदर पुलिस ने बंगाल से शराब लेकर जिले में प्रवेश करने के दौरान वीर कुंवर सिंह बस स्टैंड के समीप रुईधासा ओवर ब्रिज से शराब के साथ गिरफ्तार किया है।सदर थाना के एसएलटीएफ प्रभारी रविशंकर कुमार को गुप्त सूचना मिला था कि एक शराब तस्कर बंगाल से शराब लेकर किशनगंज बस स्टैंड आ रहा है। सूचना मिलते ही एसएलटीएफ प्रभारी अपने टीम के साथ बस स्टैंड पहुंचकर तस्कर के आने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान तस्कर बस स्टैंड से एक ई-रिक्शा में सवार होकर रुईधासा ओवरब्रिज से डे मार्केट की तरफ जा रहा था।

विद्यालय स्तरीय ज्ञान विज्ञान मेला आयोजित

एजेंसी

भागलपुर। सैनिक स्कूल गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर भागलपुर में बुधवार को विद्यालय स्तरीय ज्ञान विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। विद्यालय के सचिव उपेंद्र रजक, प्रधानाचार्य अमरेश कुमार, प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य राजकुमार ठाकुर, उप प्रधानाचार्य अशोक कुमार मिश्र, महेश कुमार एवं सिद्धार्थ कुमार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं नारियल फोड़ कर विज्ञान मेला का उद्घाटन किया गया। उद्देश्य कथन के क्रम में विज्ञान प्रमुख सिद्धार्थ कुमार सिंह ने कहा कि विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करना, आविष्कारों में नवीनता लाना, वैज्ञानिक सोच को विकसित करना, शोध के प्रति रुचि जगाना एवं नवाचार के प्रति नई सोच को विकसित करना विज्ञान मेला का मुख्य उद्देश्य है। मौके पर प्रधानाचार्य अमरेश कुमार ने कहा कि छात्रों के सोच में नवीनता, कल्पना कौशल का विकास, नवाचार की सोच को विकसित करने के लिए विज्ञान मेला का आयोजन किया जाता है। राजकुमार ठाकुर ने कहा कि विज्ञान वह है जो अपने विचार को बदल दे। विज्ञान का अर्थ होता है विशेष ज्ञान इसके माध्यम से छात्रों में अविष्कार के प्रति जिज्ञासा का विस्तार एवं निरंतर अभ्यास करने से उनके जिज्ञासा का सामान भी होता है। इस अवसर पर कक्षा शास्त्र से द्वादश के छात्रों के द्वारा विज्ञान वैदिक गणित एवं संगणक पर आधारित अनेकों मॉडल बनाया गया। इस अवसर पर छात्रों के द्वारा वैदिक गणित में संख्या परिच्छेद पर आधारित प्रदर्शन त्रिकोणमिति प्रमेय आधारित प्रदर्शन क्षेत्रफल एवं आयतन एवं नवाचार पर आधारित प्रदर्शन बनाए गए।

खास खबर

जय शाह बन सकते हैं अगले आईसीसी चेयरमैन

दुबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह के अगले आईसीसी चेयरमैन बनने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले का कार्यकाल इसी साल 30 नवंबर को समाप्त हो रहा है। वहीं बार्कले तीसरे कार्यकाल की दौड़ से अलग हो गये हैं। ऐसे में जय शाह के इस पद पर आने की अटकलें हैं। शाह इस पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे या नहीं यह 27 अगस्त तक तय होगा। ये चेयरमैन पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख है। आईसीसी चेयरमैन के दो-दो साल के तीन कार्यकाल होते हैं और बार्कले के ये साल पूरे हो गये हैं।
आईसीसी ने कहा, बार्कले ने बोर्ड से कह दिया है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए तैयार नहीं हैं। नवंबर के अंत में अपना कार्यकाल समाप्त होने पर वह पद छोड़ देंगे। बार्कले को नवंबर 2020 में आईसीसी चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया गया था। उन्हें 2022 में फिर से इस पद पर चुना गया। आईसीसी के नियमों के अनुसार चेयरमैन के चुनाव में 16 वोट होते हैं और अब विजेता के लिए नौ मत का साधारण बहुमत (51फीसदी) आवश्यक है।

विरोध प्रदर्शन में गांगुली हुए शामिल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या मामले पर कड़ी नाराजगी जतायी है। गांगुली इस मामले में बुधवार अपनी पत्नी के साथ विरोध प्रदर्शन में भी शामिल हुए। गांगुली ने इस घटना पर नाराजगी जताते हुए एक दिन पहले ही अपने सोशल मीडिया के सभी अकाउंट पर डीपी को काला कर दिया था। गांगुली ने जब सोशल मीडिया पर अपनी डीपी ब्लैक की, तब लोग उन्हें ट्रोल करने लगे। लोगों के अनुसार केवल डीपी ब्लैक करने से काम नहीं चलेगा। लोगों ने कहा था कि उन्हें खुलकर सामने आना होगा और इसका विरोध करना होगा। वहीं गांगुली ने शुरू में अपराध को एक अलग थलग घटना करार दिया था। जिसके बाद सोशल मीडिया पर इस मामले में उनकी खूब किरकिरी हुई थी। .

छह विकेट जीती साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स

नई दिल्ली। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने प्रियांश आर्य की आक्रामक पारी से यहां खेले जा रहे दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट टूनामेंट में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को छह विकेट से हराकर लगातार दूसरा मैच जीता। प्रियांश ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 51 गेंदों में 82 रन बनाये। इससे सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद ध्रुव कौशिक 56 और यश ढुल 52 के अर्धशतकों की सहायता से सात विकेट पर 176 रन बनाये। वहीं जवाब में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने आर्य और आयुष बडोनी 42 के बीच हुई 101 रनों की साझेदारी की सहायता से चार विकेट पर 177 रन बनाकर जीत हासिल करी। आर्य ने 32 गेंद पर ही अर्धशतक लगा दिया। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की टूनामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है।

रौनक दहिया ने ग्रीको-रोमन में कांस्य पदक के साथ भारत का खाता खोला

एजेंसी

नई दिल्ली। रौनक दहिया ने मंगलवार को जॉर्डन के अम्मान में चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन 110 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में भारत का खाता खोला।
मौजूदा विश्व नंबर दो खिलाड़ी रौनक ने कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में तुर्किये के एमुरूल्लाह कैपकन को 6-1 से हराया। इससे पहले, भारतीय खिलाड़ी सेमीफाइनल में हंगरी के जोल्टन जाको से 0-2 से हार गए थे।
दिल्ली के प्रसिद्ध छत्रसाल

स्टेडियम में प्रशिक्षण लेने वाले रौनक ने अपने अंडर-17 विश्व अभियान की शुरूआत आर्टुर मैनवेलियन पर 8-1 की जीत के साथ की और उसके बाद डेनियल मसलाको पर तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की।
कांस्य पदक की दौड़ में शामिल अन्य भारतीय पारधी साईनाथ हैं।पारधी 51 किग्रा में रेपेचेज राउंड के जरिए कांस्य पदक की दौड़ में हैं, जहाँ उनका सामना संयुक्त राज्य अमेरिका के मुनारेटो डोमिनिक माइकल से होगा। पारधी पहले राउंड में अजरबैजान के तुशान दशधिमिरोव से 1-5 से हार गए थे और बाद में वे फाइनल में पहुँच गए, जिससे भारतीय खिलाड़ी को कांस्य पदक जीतने का मौका मिला।

नीरज ने सुमित अंतिल को पेरिस पैरालंपिक के लिए दी अहम सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली । पैरा खिलाड़ी सुमित अंतिल ने कहा है कि उन्हें ओलंपियन नीरज चोपड़ा ने सलाह दी है कि पेरिस पैरालंपिक खेलों में कुछ भी नया करने का प्रयास न करें। अंतिल ने सोशल मीडिया पर कहा , ह्यनीरज भाई कहते हैं कि मुझे कुछ भी नया करने की जगह अपनी तैयारी पर भरोसा रखते हुए वही करना चाहिये जो अब तक किया है। अंतिल का मानना है कि आत्मविश्वास के बाद भी भाला कभी भी चोट पहुंचा देता है। उन्होंने कहा कि उनकी पीठ में चोट है, उन्हें खेल शुरू होने से पहले ठीक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम इस बार चोट से बचने को लेकर बहुत सावधान हैं। चोटिल होने पर थ्रो प्रभावित होता है। अभी मुझे पीठ में हल्का खिंचाव है और मैं नहीं चाहता कि इससे मेरे प्रदर्शन में प्रभाव पड़े। इसके अलावा मेरी तैयारी अच्छी चल रही है और मैं अच्छा प्रदर्शन कर पदक जीतने का प्रयास करुंगा। पैरालिंपिक खेल 28 अगस्त से आठ सितंबर तक चलेंगे। इसमें अंतिल भारतीय दल के ध्वजवाहक हैं।

दो दिवसीय जनपद स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

एजेंसी

मुरादाबाद। माध्यमिक विद्यालयों की दो दिवसीय जनपद स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ बुधवार को हुआ, जिसमें बालक वर्ग की प्रतियोगिता अब्बास इंटर कॉलेज तथा बालिका वर्ग की हैबिट मुस्लिम इंटर कॉलेज में आयोजित की गई।
प्रतियोगिता का उद्घाटन हैबिट मुस्लिम इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य नौमान जलील, अब्बास इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आफताबुद्दीन तथा मौलाना आजाद मुस्लिम गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या रहमत बी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में मंडलीय क्रीड़ा

सचिव वंश बहादुर, पूर्व मंडलीय क्रीडा सचिव जीवन सिंह, शमशाद हुसैन, श्यामवीर सिंह, आफताब आलम, मेहंदी हसन, सचिन चौधरी, सुमित शर्मा, अर्जुन सिंह, विजय सिंह चौहान, राजपाल सिंह, नासिर हुसैन, भास्कर राघव, ज्योति शर्मा, दीपशिखा आदि शिक्षक/शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। चयनकर्ता का दायित्व कुलदीप कुमार, कुमारी रेखा, गीतांजलि दक्ष तथा स्वाति राठी ने निभाया। मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर ने प्रतियोगिता का परिणाम बताते हुए बताया कि बालिका वर्ग अंडर 14 वर्ष आर्य कन्या इंटर कालेज ने रामचंद्र शर्मा कन्या इंटर कालेज संकुल को हराकर विजेता बनी बालिका वर्ग अंडर 17 में रामचंद्र शर्मा कन्या इंटर कालेज में आयुष इंटर कालेज दलपतपुर संकुल को हराकर विजई रहा जबकि अंदर-19 बालिका वर्ग में आर्य कन्या इंटर कॉलेज ने विजय हासिल की। वहीं बालक वर्ग में अंडर 17 बालक वर्ग में आदर्श विद्या मंदिर इंटर कॉलेज डिलारी ने मदन स्वरूप इंटर कॉलेज हरियाना को हराकर विजेता बना जबकि अंदर-19 के मुकाबले में आकांक्षा विद्यापीठ इंटर कॉलेज डीएसएम इंटर कॉलेज कांठ को हराकर विजेता बना।

फिर रिंग में उतरेंगे टायसन

एजेंसी

न्यूयॉर्क । पूर्व हैवीवेट चैम्पियन माइक टायसन एक बार फिर रिंग में उतरना चाहते हैं। 58 साल के टायसन पिछले काफी समय से बीमार हैं इस कारण वह बार बार रिंग में अपनी वापसी को टालते रहे हैं। इस बार वह अपने कदम वापसी खींचने के लिए तैयार नहीं हैं हालांकि इससे उनकी जान जरुर खतरे में पड़ सकती है। टायसन को इस बार जैक पॉल से मुकाबला करना है। वहीं जब इस मुक्केबाज से पूछा गया है कि स्वास्थ ठीक नहीं होने के वाद भी वह अपने को खतरे में क्यों डाल रहे हैं तो

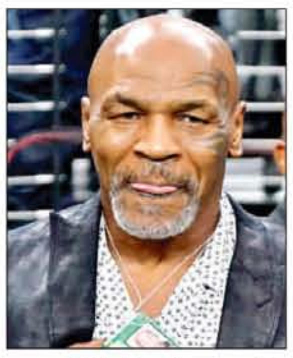

इस पूर्व विजेता ने कहा कि केवल मैं ही ऐसा कर सकता हूं काई और नहीं । कोई भी इस प्रकार के जोखिम नहीं उठाना चाहेगा पर मुझे ये अच्छे लगते हैं। मेरे अलावा कोई रिंग में उतरने तैयार भी नहीं होगा। इस दौरान टायसन के प्रशंसकों ने उसके समर्थन में नारे लगाए जबकि विरोधी पॉल का मजाक उड़ाया। टायसन और पॉल के बीच की यह मुकाबला पहले 20 जुलाई को होना था पर तब टायसन को अल्सर की समस्या होने के कारण इसे टाल दिया गया था। यह मुकावला अब 15 नवंबर को टेक्सास के आर्लिंगटन में होगा। टायसन ने कहा कि अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और उन्होंने दो या तीन सप्ताह पहले अभ्यास शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं इस मुकावले के लिए तैयार हूं।

मुरलीकांत ने जीता था पैरालंपिक में भारत की ओर से पहला स्वर्ण

एजेंसी

मुम्बई । पेरिस में अब 28 अगस्त से आठ सितंबर तक पैरालंपिक खेलों की धूम रहेगी। इन खेलों में दुनिया भर के पैरा खिलाड़ी भाग लेंगे। पेरालंपिक खेलों में इस बार भारत का सबसे बड़ दल भाग ले रहा है और ऐसे में खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत को इन खेलों में पहली बार स्वर्ण पदक भारतीय सेना के जवान रहे मुरलीकांत पेटकर ने दिलाया था। मुरलीकांत ने साल 1972 के हीडलबर्ग पैरालंपिक खेलों में 50 मीटर फ्रीस्टाइल इवेंट में ये स्वर्ण पदक जीता था। तब उन्होंने जीत दर्ज करने के लिए 37.33 सेकेंड का समय निकाला, जो उस समय का विश्व रिकॉर्ड था। इस प्रकार मुरलीकांत भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। उन्हीं खेलों में उन्होंने

भाला फेंक, सटीक भाला फेंक और स्लैलम में भाग लिया था। वह तीनों स्पधाओं में फाइनल तक पहुंचे थे। मुरली ने एक मुक्केबाज के रूप में सबसे पहले खेलों में भाग लिया था। साल 1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान उन्हें नौ गोलियां लगीं, और वह विकलांग हो गए थे। मुरलीकांत का कमर से नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। वह कुछ समय बाद ठीक तो हो गए, लेकिन उन्हें अपना एक हाथ खोना पड़ा। अब वह मुक्केबाजी नहीं कर सकते थे।

मन, तीर्थ और अशांक फाइनल में

इन्दौर । सरताज अकादमी द्वारा आयोजित 64वीं सरताज लीग बैडमिंटन स्पर्धा में 13 वर्ष बालकों का खिताबी मुकाबला मन बड़जत्या और तीर्थ गोयल के बीच होगा। 11 वर्ष आयु वर्ग में अशांक मिश्रा फाइनल में हैं।
नारायण बाग बाल विकास केंद्र बैडमिंटन हाल में हो रही स्पर्धा में मन बड़जत्या ने अशांक मिश्रा को पर 15-2, 15-3 से और तीर्थ गोयल ने अदवैत सिंह चौहान को 15-5, 15-2 से हराया। बालिका वर्ग में दिव्यांशी सिरोही ने आराध्या सिंह परमार को 15-5, 15-1 से पराजित किया। अन्य लीग मैचों में मन बड़जात्या ने तीर्थ गोयल को 15-7, 15-10 से और अशांक मिश्रा ने अदवैत सिंह चौहान को 15-6, 15-2 से हराया। अयांश मिश्रा ने दिव्यांशी को 15-6, 15-2 से पराजित किया।

रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी : कोच

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मैच को लेकर बनायी रणनीति नहीं भूलते। फिर चाहे वह ये भूल जाएं की टॉस के समय उन्होंने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था या गेंदबाजी का। राठौड़ के अनुसार रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं।
राठौड़ ने कहा कि वह कोई अन्य बात भूल जाता है पर अपनी योजना कभी नहीं भूलता। उन्होंने 29 जून को बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए टी20 विश्व कप फाइनल में रोहित के रणनीतिक फैसलों को भी याद करते हुए कहा कि उन्होंने जसप्रीत

बुमराह को ओवर तेजी से फेंकने को कहा और इसका लाभ टीम को मिला। राठौड़ ने कहा कि वह एक कप्तान के रूप में सामरिक रूप से बहुत अच्छे हैं। टी20 विश्व कप फाइनल में उन्होंने बुमराह का ओवर जल्दी खत्म कर दिया था। बहुत से लोगों ने उस फैसले पर सवाल उठाए होंगे लेकिन उस फैसले ने हमें उस स्थिति में डाल दिया, जहां आखिरी ओवर में 16 रन की जरूरत थी। मैदान पर उनके लिए कई फैसले आमतौर पर सटीक होते हैं।
राठौड़ जोकि सीनियर पुरुष चयन समिति के सदस्य भी रह चुके हैं, ने स्वीकार किया कि उन्हें अभी तक ऐसा कोई कप्तान नहीं मिला है जो रोहित की तरह खेल में ली हो। उन्होंने कहा कि उनकी पहली खूबी यह है कि एक बल्लेबाज के रूप में वह एक असाधारण खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि वह ऐसा व्यक्ति है जो अपने खेल को अच्छी तरह से समझता है। उनके पास हमेशा एक स्पष्ट रणनीति होती है। एक नेता के रूप में भी आपको आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। राठौर ने कहा कि वह एक खिलाड़ी के कप्तान हैं। किसी कप्तान को मैंने टीम बैठक या रणनीति में इतना शामिल होता नहीं देखा जितना उन्हें देखा है। वह टीम की रणनीति पर काफी समय बिताते हैं। वह गेंदबाजों की बैठक, बल्लेबाजों की बैठक का हिस्सा रहते हैं। वह खिलाड़ियों के साथ समय बताते हैं और इस दौरान बताते हैं कि किससे उन्हें क्या चाहिये।

आईसीसी ने टी20 विश्वकप की पिचों को संतोषजनक बताया

एजेंसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिका में खेल गये टी20 विश्वकप की पिचों को संतोषजनक करार दिया है। इन पिचों पर सभी टीम के बल्लेबाज विफल रहे थे और बेहद कम स्कोर पर टीमें आउट हो रही थी जिसके बाद से ही पिच पर सवाल उठे पर आईसीसी रैफरी ने उसे जांच के बाद संतोषजनक बताया है हालांकि भारत और आयरलैंड के के बीच नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम की ड्रॉप इन पिच के अलावा श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच के लिए इस्तेमाल की गई पिच को भी मैच रेफरी ने असंतोषजनक

बताया है। ड्रॉप इन ऐसी पिच होती है जिसे कहीं और बनाया जाता है और उसके बाद स्टेडियम में लाकर बिछा दिया जाता है। आईसीसी ने विश्व स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा देने की अपनी नीति के तहत ही न्यूयॉर्क में मैचों का आयोजन किया था पर खराब पिच और धीमी आउटफील्ड के कारण उसे आलोचना का अधिक सामना करना पड़ा। आईसीसी ने अब इस मामले में पिच को लेकर रेटिंग जारी की है। यह टूनामेंट एक से 29 जून तक अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला गया था। न्यूयॉर्क में तब सभी मैचों में कम स्कोर रहा था। टूनामेंट के आयोजन के दौरान और उसके बाद विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने इन पिचों की जमकर आलोचना की थी। न्यूयॉर्क में खेले गए आठ मैचों में पहली पारी का औसत स्कोर 107.6 था। रंजन मदुगले, डेविड बून, जेफ क्रो और रिची रिचर्डसन न्यूयॉर्क के मैचों के लिए चार मैच रेफरी थे। बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ भारत के सुपर आठ मैच की पिच को संतोषजनक रेटिंग दी गई थी।

अब बीबीएल में सिडनी थंडर से खेलेंगे वार्नर

एजेंसी

सिडनी । पूर्व ऑस्ट्रलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) के लिए सिडनी थंडर टीम के साथ दो साल का नया करार किया है। वहीं स्टीव स्मिथ ने सिडनी सिक्सर्स के साथ तीन साल का करार किया है और वह भी इस लीग मे खेलते रहेंगे। वार्पर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया है, ऐसे में वह इस बार बीबीएल में पूरे समय उपस्थित रहेंगे। वार्नर ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण पिछले दो सत्रों में थंडर के लिए केवल आठ मैच ही खेले थे। इस बार वह पूरा सत्र खेलेंगे। इससे उनकी टीम को वार्नर के दो दशक के अनुभवों का लाभ भी मिलेगा।

थंडर के महाप्रबंधक ट्रेंट कोपलैंड ने अपने एक बयान में कहा, वार्नर जहां भी खेलते हैं, वह अपने आक्रामक अंदाज से प्रशंसकों में लोकप्रिय रहते हैं। भारत में भी वह आईपीएल में खासे पसंद किये जाते रहे हैं। ऐसे में सिडनी के पश्चिम में दक्षिण एशियाई समुदाय थंडर में उनका भरपूर समर्थन करेगा। साथ ही कहा कि वार्नर के आने से टीम बेहतर होगी क्योंकि वह विश्व के शीर्ष स्तर के सलामी बल्लेबाज रहे हैं।वहीं स्मिथ को तीन साल के अनुबंध के जरिये सिक्सर्स के साथ लंबे समय तक रहने का समय मिलेगाहै। स्मिथ अभी ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट सलामी बल्लेबाजों में से एक हैं, इस करार से उन्हें एक पूर्ण बीबीएल सत्र खेलने का अवसर मिला है। स्मिथ 2012 के उद्घाटन सत्र में बीबीएल जीतने वाली सिक्सर्स टीम में शामिल थे। दो साल पहले पांच मैचों में लगातार दो शतकों के साथ उन्होंने अच्छी वापसी की थी। वार्नर और स्मिथ के अलावा मार्नस लाबुशेन और एलेक्स कैरी भी अपनी-अपनी पसंदीदा बीबीएल टीमों से जुड़े हैं।

ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट के दौरान ग्राहम थोर्प को श्रद्धांजलि देगा इंग्लैंड

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के खिलाड़ी बुधवार को मैनचेस्टर में श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की शुरूआत से पहले दिवंगत ग्राहम थोर्प को श्रद्धांजलि देंगे। 4 अगस्त को 55 साल की उम्र में थोर्प ने आत्महत्या कर ली थी, उनकी पत्नी अमांडा ने बताया कि वे गंभीर अवसाद और चिंता से पीड़ित थे। वे इंग्लैंड के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक थे, जिन्होंने 100 मैचों के टेस्ट करियर में 44.66 का औसत बनाया था, और बाद में 2021-22 एशेज दौरे के बाद उस भूमिका को छोड़ने तक इंग्लिश टीम के बल्लेबाजी और सहायक कोच रहे।
उन्होंने बल्लेबाजी और सहायक कोच की भूमिका में श्रीलंका

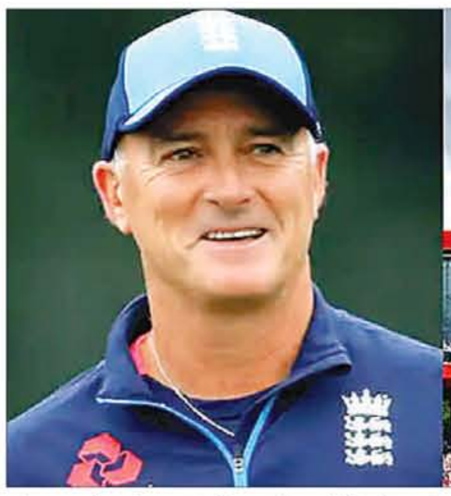

श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की अधिकांश टीम के साथ काम किया और जो रूट और बेन स्टोक्स के करियर में विशेष रूप से प्रभावशाली रहे। इंग्लैंड के पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपने पहले टेस्ट में, स्टोक्स ने टॉस के लिए थोर्प के नाम वाली शर्ट पहनी थी, इससे पहले उन्होंने खुद पर जान लेने की कोशिश की थी, जिसके कारण वे अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार हो गए थे।
स्टोक्स की जगह कप्तान के रूप में काम कर रहे ओली पोप ने मंगलवार को कहा, ₹हम पूरे खेल के दौरान अपनी काली बांह की पट्टियाँ बाँधे रहेंगे और उससे पहले उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। इससे चेंजिंग रूम में बहुत से लोगों को ठेस पहुँची है। वे एक महान व्यक्ति थे। मैंने शायद दो या तीन साल उनके निर्देशन में में खेला था। मैं वास्तव में उनका प्रशंसक हूँ।₹
उन्होंने कहा, ₹मुझे याद है कि उन्होंने मुझसे एक बात कही थी: 'कभी भी अपने द्वारा बनाए जा रहे रनों को अपने व्यक्तित्व से परिभाषित मत होने दो'। जब आप युवा होते हैं तो आप थोड़े ऊवाऊ होते हैं, मुझे यही सुनने की जरूरत थी। यह दशार्ता है कि वह कितने लोगों के बीच रहने वाले व्यक्ति थे। चेंजिंग रूम में उन्हें प्यार किया जाता था। उनका जाना सभी के लिए बहुत दुखद क्षति है: देश, उनके परिवार और लड़कों के लिए भी, उनकी कमी खल रही है और हम इस सप्ताह उनका सम्मान करेंगे।₹
बुधवार की सुबह एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में राष्ट्रगान से पहले टीमें तालियों की गड़गड़ाहट के साथ श्रद्धांजलि के लिए कतार में खड़ी होंगी। स्काई स्पोर्ट्स भी अपने कवरेज में थोर्प को श्रद्धांजलि देगा, उनके कई कमेंटेटर उन्हें लंबे समय से टीम के साथी और करीबी दोस्त के रूप में गिनते हैं।
पिछले हफ्ते थोर्प की मौत की जांच की शुरूआत में पता चला कि 4 अगस्त की सुबह सरे के एशर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने के बाद उनकी मौत हो गई थी।

योकोहामा में बैडमिंटन ओपन में खेलती हुई जापान की यामागुची अकाने।

कलियुग कब खत्म होगा?

विष्णु पुराण की पांच भविष्यवाणियां जिससे मिलेगा हर सवाल का जवाब

पुराणों के आधार पर कलियुग की समाप्ति की बात की जाए, तो कलियुग 4,32,000 साल लंबा चलेगा। अभी कलियुग का प्रथम चरण ही चल रहा। अभी 3102+2024= 5126 वर्ष कलियुग के बीत चुके हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि अभी तो बस कलियुग के 5 हजार वर्ष ही बीते हैं। अभी 426882 वर्ष बाकी हैं। फिलहाल कलियुग के खत्म होने में कई हजार साल बचे हुए हैं।

विष्णु पुराण, भविष्य पुराण सहित कई पुराणों में कलियुग से जुड़ीं भविष्यवाणियां की गई हैं। इनके अनुसार कलियुग 3102 ईसा पूर्व में प्रारम्भ हुआ था। अभी कलियुग को केवल 5000 वर्ष ही बीते हैं। अभी कलियुग का अंत होने में 426882 वर्ष बाकी हैं। आइए, जानते हैं कलियुग के अंत से जुड़े सवालों के जवाब। कभी न कभी आपके मन में भी यह सवाल आता होगा कि दुनिया में जितने भी दुख हैं, अगर वे कलियुग के कारण हैं, तो फिर कलियुग का अंत कब होगा? हमारे आसपास पाप बढ़ते जा रहे हैं। हम रोज ऐसी घटनाएं देखते- सुनते हैं, जिससे मानवता शर्मसार होती है। कुछ लोग ऐसे हैं, जो दुख के सागर में डूब चुके हैं। ऐसे लोगों को हर पल इंतजार रहता है उनका दुख दूर करने के लिए भगवान फिर से धरती पर अवतार लेंगे या फिर ऐसा कोई चमत्कार होगा, जिससे कि कलियुग का अंत हो जाएगा। कलियुग के अंत की बात करें, तो विष्णु पुराण में कलियुग की अंत से जुड़े रहस्य बताए गए हैं। आइए, जानते हैं कलियुग का अंत कब होगा, इससे जुड़ीं विष्णु पुराण की भविष्यवाणियां।

कलियुग क्या है

द्वापर युग के बाद कलियुग का आगमन हुआ है। हम आए दिन सुनते हैं कि कलियुग के आने से ही धरती पर पाप बड़े हैं। ऐसे में जानते हैं कि कलियुग आखिर है क्या? विष्णु पुराण, श्रीमद्भागवत पुराण, भविष्य पुराण आदि पुराणों में कलियुग की व्याख्या मिलती है। कलियुग का अर्थ समझें, तो कलियुग का अर्थ होता है काला युग यानी एक परछाई या आभासी युग। कलियुग के कालेपन में सभी रंग कहीं गुम हो जाते हैं और सच भी किसी मिथ्या यानी झूठ जैसा ही प्रतीत होता है। कलियुग का अर्थ हुआ कलह-क्लेश का युग, जहां हर प्राणी के मन में असंतोष की भावना भरी हुई है। सभी लोग एक-दूसरे से बिना किसी वजह द्वेष भावना रखेंगे।

कलियुग कब शुरू हुआ था

महाभारत के बाद ऐसी कई अप्रिय घटनाएं हुईं, जिसके बाद कलियुग आगमन की गति बढ़ती गई। जैसे, श्रीकृष्ण का मानव शरीर को छोड़कर वैकुंठ गमन, पांडवों का स्वर्ग जाना, यदुवंशी कुल का विनाश होना आदि ऐसी घटनाएं थीं, जो कलियुग आगमन का संकेत बनीं। कलियुग का प्रारम्भ 3102 ईसा पूर्व हुआ था। श्रीमद्भागवत पुराण, विष्णु पुराण और भविष्यपुराण में कलियुग के अंत का वर्णन मिलता है।

कलियुग कब खत्म होगा

पुराणों के आधार पर कलियुग की समाप्ति की बात की जाए, तो कलियुग 4,32,000 साल लंबा चलेगा। अभी कलियुग का प्रथम चरण ही चल रहा। अभी 3102+2024= 5126 वर्ष कलियुग के बीत चुके हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि अभी तो बस कलियुग के 5 हजार वर्ष ही बीते हैं। अभी 426882 वर्ष बाकी हैं। फिलहाल कलियुग के खत्म होने में कई हजार साल बचे हुए हैं।

स्वर्गलोक और भूलोक में समय अलग-अलग गति से चलता है

पुराणों के आधार पर अगर देखें, तो कलियुग का अंत होने में इससे ज्यादा समय भी लग सकता है क्योंकि भूलोक यानी धरती जहां मनुष्य रहते हैं और स्वर्गलोक जहां देवता वास करते हैं, वहां समय अलग-अलग गति से चलता है। जैसे, मनुष्य का एक महीना पितर लोक में एक दिन के समान है। वहीं, मनुष्य का एक वर्ष देवताओं के लिए एक दिन के बराबर हैं। जब धरतीलोक पर किसी मनुष्य के 30 वर्ष पूरे हो जाते हैं, तो स्वर्गलोक में देवताओं के लिए 30 साल एक महीने के समय के बराबर ही है। इसका मतलब यह है कि समय हर लोक में अलग तरह से चलता है।

कलियुग की चरम सीमा क्या होगी

जैसा कि पहले ही बताया गया है कि अभी कलियुग को गुजरे हुए केवल पांच हजार वर्ष ही बीते हैं। यह समय कलियुग का प्रथम चरण है। विष्णु पुराण के अलावा ब्रह्मावैवर्त पुराण में कलियुग की चरम सीमा का उल्लेख किया गया है। इसके अनुसार कलियुग जब अपनी चरम सीमा पर होगा, तो मनुष्य की आयु घटकर केवल 20 साल ही रह जाएगी। लोग उम्र से पहले ही बूढ़े होना शुरू कर देंगे। पांच वर्ष की स्त्रियां गर्भवती हो जाएंगी। मनुष्य छोटी-छोटी बीमारियों का मुकाबला भी नहीं कर सकेंगे और मृत्यु को प्राप्त होने लग जाएंगे। विष्णु पुराण की भविष्यवाणी के अनुसार धरती पर चारों और सूखा पड़ेगा, कहीं अन्न नहीं उगेगा और भीषण गर्मी बड़ती जाएगी। वहीं, हर मौसम के प्रभाव भीषण होंगे। जैसे, बहुत बारिश होगी, बहुत गर्मी बड़ेगी और हड्डियां गलाने वाली सर्दी भी पड़ेगी। ये सभी संकेत कलियुग की चरम सीमा के होंगे।

कुंभ 2025 की तैयारियां शुरू

साधु संतों ने मेले में पहुंचने की तिथि का किया ऐलान

महाकुंभ मेले का आयोजन 12 साल में एक बार किया जाता है। सूर्य और चंद्रमा के मकर राशि में पहुंचने पर महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। लेकिन सभी साधु संत कब पहुंचेंगे इसके लिए तिथियां तय की जाती हैं और पंच दशनाम जूना अखाड़े के साधु संत 12 अक्टूबर को संगम में पहुंचेंगे।

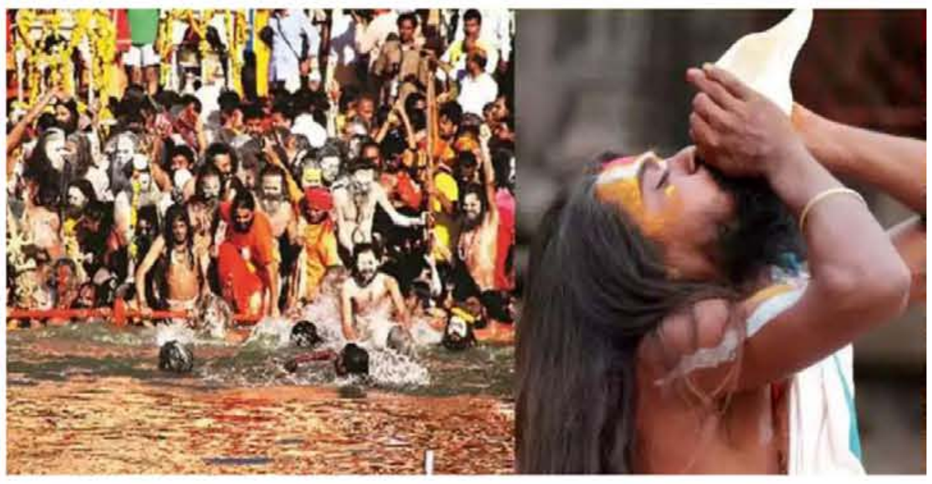

प्रयागराज में कुंभ मेले का आयोजन 13 जनवरी 2025 से शुरू होने जा रहा है। महाकुंभ मेले का आयोजन 12 साल में एक बार किया जाता है। सूर्य और चंद्रमा के मकर राशि में पहुंचने पर महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। लेकिन सभी साधु संत कब पहुंचेंगे इसके लिए तिथियां तय की जाती हैं और पंच दशनाम जूना अखाड़े के साधु संत 12 अक्टूबर को संगम में पहुंचेंगे।

पंच दशनाम जूना अखाड़े ने 2025 में लगने वाले महाकुंभ में नगर प्रवेश और शाही पेशवाई की तिथियां तय कर ली हैं। देशभर में फैले अखाड़े के नागा संन्यासी, महामंडलेश्वर, महंत, साधु-संत और मठाधीश 12 अक्तूबर को विजयदशमी पर प्रयागराज के लिए प्रस्थान करेंगे। तीन नवंबर को यम द्वितीया पर हाथी-घोड़े, बग्घी, सुसज्जित रथों और पालकियों के साथ जूना अखाड़े की पेशवाई संगम की रेती पर लगने वाले कुंभ नगर के शिविर में देवता के साथ प्रवेश करेगी।

संन्यासियों के सबसे बड़े पंच दशनाम जूना अखाड़े ने नगर प्रवेश, पेशवाई, शाही स्नान, शोभायात्रा से लेकर कढ़ी-पकौड़ा तक की तिथियां तय कर ली हैं। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय सभापति महंत प्रेम गिरि की अध्यक्षता में हुई बैठक में महाकुंभ के स्नान पर्वों की तैयारियों के साथ मेले की व्यवस्था को लेकर कई प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया गया। महंत हरि गिरि ने बताया कि जूना अखाड़े के प्रमुख पदाधिकारियों की मौजूदगी में महाकुंभ में भाग लेने, नगर प्रवेश करने, धर्म ध्वजा पूजन, नागा संन्यासियों के लिए लगाए जाने वाले शिविरों के लिए भूमि आवंटन और कुंभ शिविर में प्रवेश समेत अन्य तिथियों का निर्धारण मुहूर्त के अनुसार कर लिया गया है।

अखाड़े के रमता पंच, नागा संन्यासी, मठाधीश, महामंडलेश्वर, आश्रमधारी शहर से बाहर रामपुर में स्थित सिद्ध हनुमान मंदिर परिसर में शरद पूर्णिमा पर 16 अक्टूबर को पहुंच जाएंगे। तीन नवंबर को यम द्वितीया पर रमता पंच की अगुवाई में जूना अखाड़ा पूरे लाव-लश्कर, बैंड बाजा, पालकियों के साथ जुलूस की शक्ल में नगर प्रवेश करेगा। 23 नवंबर को कुंभ मेला छावनी में काल भैरव अष्टमी के दिन आवंटित भूमि का पूजन कर धर्म ध्वजा स्थापित की जाएगी। 14 दिसंबर को अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि के नेतृत्व में जूना अखाड़ा की ओर से पेशवाई निकाली जाएगी। पेशवाई, कुंभ मेला छावनी में समूह के साथ प्रवेश करेगी। 13 जनवरी को प्रथम शाही स्नान से पहले वेणी माधव भगवान की पूजा-अर्चना के बाद भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी और नगर परिक्रमा की जाएगी।

शाही स्नान की तिथि

- 14 जनवरी 2025 - मकर संक्रांति
- 29 जनवरी 2025 - मौनी अमावस्या
- 3 फरवरी 2025 - वसंत पंचमी

अन्य महत्वपूर्ण स्नान

- 13 जनवरी - पौष पूर्णिमा
- 12 फरवरी - माघी पूर्णिमा
- 26 फरवरी - महाशिवरात्रि पर्व

गांधारी ने अपने भाई शकुनि को दिया ऐसा कठोर शाप

जिसे आज भी भुगत रही है अफगानिस्तान की धरती

महाभारत के युद्ध में कौरवों की हार हुई और पांडव जीत गए लेकिन युद्ध के बाद भी कुछ ऐसे योद्धा थे, जिन्हें युद्ध के नतीजों को भुगतना पड़ा। जैसे, स्वंय श्रीकृष्ण को गांधारी से शाप मिला, जिसके कारण यदुंवश का नाश हुआ और एक के बाद एक ऐसी घटनाएं होती गईं, जिससे कि कलियुग का आगमन हुआ। लेकिन क्या आप जानते हैं कि गांधारी ने केवल श्रीकृष्ण को ही नहीं बल्कि अपने भाई शकुनि को भी शाप दिया था। सौ पुत्रों की मृत्यु के बाद गांधारी इतनी क्रोधित और दुखी थी कि उन्होंने अपने भाई शकुनि तक को शाप दे दिया क्योंकि गांधारी मानती थी कि अगर शकुनि ने दुर्योधन सहित बाकी कौरवों को पांडवों के विरुद्ध नहीं उकसाया होता, तो दुर्योधन के मन में पांडवों के प्रति इतनी नफरत नहीं पनपती। गांधारी के इस शाप का असर आज भी अफगानिस्तान की धरती भुगत रही है। आइए, जानते हैं शकुनि को मिले शाप की पूरी कहानी।

गांधारी और शकुनि दोनों भाई-बहन में था बहुत प्रेम

महाभारत काल में अफगानिस्तान को गांधार देश नाम से जाना जाता था। गांधारी और शकुनि गांधार नरेश सुबल के पुत्र-पुत्री थे। महाभारत की कहानी के अनुसार राजा सुंबल के शकुनी सहित 100 पुत्र और थे। वहीं, पुत्री गांधारी जब विवाह योग्य हो गई, तो उसके विवाह की बात करने के लिए राजा सुंबल कई ज्योतिषी से मिले। एक ज्योतिषी ने राजा सुंबल से कहा कि गांधारी की कुंडली में ऐसा योग बन रहा है, जिससे वो विवाह के बाद विधवा हो जाएगी, इसलिए अपनी पुत्री का विवाह पहले एक बकरे से कर दीजिए। ज्योतिषी की बात मानकर राजा सुंबल ने बकरे से गांधारी का विवाह करा दिया और इसके बाद बकरे की बलि दे दी, जिससे गांधारी का दुर्भाग्य हट गया। उधर राजा सुंबल के विरोधियों ने उनकी पुत्री के विरुद्ध इस बात की अफवाह फैला दी कि गांधारी का विवाह हुआ और कुछ ही घंटो में उसका पति मर गया।

गांधारी के लिए आने लगे थे विवाह प्रस्ताव

हस्तिनापुर में धृतराष्ट्र के विवाह के लिए एक सुकन्या ढूंढ़ी जा रही थी। किसी परिचित ने भीष्म को गांधारी के बारे में बताया, तो भीष्म गांधार देश जाकर राजा सुंबल से उनकी पुत्री का हाथ मांगने लगे। राजा सुंबल शुरुआत में यह नहीं जानते थे कि धृतराष्ट्र नेत्रहीन है, इसलिए उन्होंने गांधारी के विवाह के लिए अपनी स्वीकृति दे दी लेकिन कुछ दिनों बाद जब सुंबल को इस सच पता चला तो उन्होंने विवाह के लिए इंकार कर दिया। अपने वचन से पीछे हट जाने के लिए भीष्म को गांधार नरेश पर बहुत गुस्सा आया और उन्होंने गांधारी का अपहरण करके धृतराष्ट्र से गांधारी का विवाह करा दिया।

महाभारत में जब गांधारी के पुत्र एक-एक करके कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर मरते जा रहे थे, तो गांधारी को आभास हो चुका था कि अब उसका एक भी पुत्र नहीं बचेगा। गांधारी ने अपने भाई शकुनि को अपने पुत्र दुर्योधन को समझा-बुझाकर युद्ध रोकने की सलाह दी थी लेकिन शकुनि विनाश के लिए आतुर था और उसने गांधारी की बात नहीं मानी। इस कारण से गांधारी ने क्रोधित होकर शकुनि को ऐसा शाप दिया, कि जिस तरह शकुनि ने हस्तिनापुर में अंशाति फैलाई है, उसी तरह उसके राज्य में भी कभी शांति का वास नहीं रहेगा। यही कारण है कि वर्तमान में अफगानिस्तान बन चुके गांधार देश में आज भी किसी न किसी कारण से तनाव और युद्ध की स्थिति बनी रहती है।

शकुनि के मन में प्रतिशोध की भावना ने लिया जन्म

गांधारी यह बात नहीं जानती थी कि लेकिन जब वो हस्तिनापुर पहुंचकर धृतराष्ट्र से मिली, तो उन्हें समझ आ गया कि उनके साथ छल हुआ है। वहीं, भीष्म और धृतराष्ट्र ने इस अफवाह को सच मान लिया कि गांधारी का विवाह एक बार हो चुका है। वहीं, शकुनि धृतराष्ट्र से अपनी बहन का विवाह नहीं होने देना चाहता था। भीष्म और धृतराष्ट्र ने राजा सुंबल को सबक सिखाने के लिए उन्हें और उनके 100 पुत्रों को कारागार में डाल दिया। कारागार में राजा सुंबल और उनके 100 पुत्रों को एक मुट्ठी अनाज दिया जाता। एक मुट्ठी अनाज में 100 पुत्रों को केवल एक दाना ही मिल पाता था। ऐसे में सभी ने निश्चय किया कि वे अपना हिस्सा भी शकुनि को दे देंगे, जिससे कि शकुनि हस्तिनापुर के शासकों से बदला ले सके। अन्न न मिलने के कारण राजा सुंबल और उनके पुत्र धीरे-धीरे मरते गए। अंत में शकुनि बच गया। शकुनि के मन में हस्तिनापुर के राज्य को बर्बाद करने की भावना ने जन्म ले लिया।

शकुनि ने दुर्योधन को बनाया अपना मोहरा

चौसर का खेल खेलने में माहिर शकुनि ने दुर्योधन की रुचि चौसर के खेल में जगाई। शकुनि दुर्योधन के साथ घंटों चौसर का खेल खेलता रहता था। यह चौसर का खेल ही था, जिसने महाभारत के युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और चौसर का खेल हारकर पांडव अपना सब कुछ गवां बैठे। शकुनि ने दुर्योधन को उकसाकर हर वो काम कराया, जो उसके खुद के मन की इच्छा थी। दुर्योधन को अति स्नेह करके शकुनि ने जैसे उसे अपना सेवक ही बना लिया था। यही कारण था कि दुर्योधन शकुनि के कहे अनुसार चलता था और उसने अंत तक अपने पांडव भाइयों को राजकाज नहीं दिया। जिसके कारण महाभारत का युद्ध हुआ और युद्ध में दुर्योधन सहित सभी कौरव मारे गए।

गांधारी ने श्रीकृष्ण से पहले शकुनि को दिया था शाप

कुरुक्षेत्र की भूमि पर जब गांधारी ने अपने 100 कौरवों को खो दिया था। तो गांधारी बहुत ही क्रोधित और दुखी थी। गांधारी ने विलाप करते हुए श्रीकृष्ण से कहा था कि वे चाहते तो युद्ध रोक सकते थे लेकिन उन्होंने कौरव और पांडव को लड़कर मरने दिया, इसलिए गांधारी ने कृष्ण को शाप दिया था कि जिस तरह गांधारी के कुल का नाश हुआ है, उसी तरह कृष्ण के यदुवंश का भी नाश हो जाएगा। गांधारी ने श्रीकृष्ण को ही नहीं बल्कि इस शाप से पहले अपने भाई शकुनि को भी शाप दिया था।

अफगानिस्तान की धरती झेल रही है गांधारी का शाप

जब कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर एक-एक करके कौरव मरते जा रहे थे, तो गांधारी को इस बात का आभास हो चुका था कि अब उसका कोई पुत्र नहीं बचेगा। गांधारी ने अपने भाई शकुनि से कहा था कि वे युद्ध रुकवा दे, जिससे कि और विनाश न हो पाए लेकिन शकुनि ने गांधारी की बात नहीं मानी। इस कारण से गांधारी ने दुखी होकर शकुनि को शाप दिया था कि जिस तरह शकुनि ने उसके गृह राज्य हस्तिनापुर में आकर द्वेष और क्लेश फैलाया है। उसी तरह गांधार नरेश शकुनि के गृह राज्य गांधार में भी कभी शांति नहीं रहेगी। वहां हमेशा गृह युद्ध चलता रहेगा। शकुनि की धरती पर कभी भी शांति और समृद्धि नहीं पनप सकेगी। गांधारी के शाप के कारण ही वर्तमान में अफगानिस्तान बन चुके गांधार में कभी भी शांति नहीं रहती। वहां किसी न किसी कारण से युद्ध और अंशाति की स्थिति बनी ही रहती है। कुछ पौराणिक मान्यताएं यह भी कहती हैं कि शकुनि ने अपने मृत भाइयों का बदला धृतराष्ट्र और भीष्म से लिया था।

कलम व कैमरे पर बंदूक का पहरा हो तो क्रांति होनी तय है : राकेश टिकैत

नोएडा (चेतना मंच)। आज कुछ मीडिया अपनी जिम्मेदारी से भटककर सरकार के पक्ष में खड़ी नजर आती है। मीडिया का नैतिक दायित्व सरकार की खामियों को उजागर करके जनता के समक्ष लाना है जिससे सरकारों की मनमानी पर अंकुश लग सके। कमल व कैमरे पर बंदूक का पहरा लगने लगे तो समझो क्रांति होनी तय है। जब सरकार की सिपाही का कलम इस्तेमाल करने लगे तो बगावत तय है। यह बात कही भारतीय किसान यूनियन के जुझारू नेता तथा राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने। वे सेक्टर-29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में फोटो प्रदर्शनी के समापनप समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

नोएडा मीडिया क्लब द्वारा आयोजित वार्षिक फोटो प्रदर्शनी का समापन समारोह संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे राकेश टिकैत उपस्थित रहे, जिन्होंने फोटो जर्नलिस्ट्स द्वारा खींची गई बेहतरीन तस्वीरों की सराहना की। उन्होंने एनसीआर के 24 प्रतिभाशाली फोटो जर्नलिस्ट्स को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि राकेश टिकैत ने अपने संबोधन में कहा कि फोटो जर्नलिज्म न केवल एक कला है, बल्कि यह समाज की सच्चाई को चित्रित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। इन तस्वीरों ने न केवल घटनाओं और परिस्थितियों को दर्शाया, बल्कि वे हमारे समाज के गहरे मुद्दों को उजागर करने में भी सफल रही हैं। इस प्रदर्शनी में विभिन्न विषयों पर आधारित तस्वीरें प्रदर्शित की गईं, जो समाज, संस्कृति, पर्यावरण और रोजमर्रा की जिंदगी के कई पहलुओं को दर्शाती हैं। ये तस्वीरें न केवल देखने में सुंदर थीं, बल्कि उन्होंने दर्शकों को सोचने पर भी मजबूर किया। प्रदर्शनी ने शहरवासियों और कला प्रेमियों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा किया और उन्हें फोटोग्राफी के विभिन्न आयामों से परिचित कराया।

राकेश टिकैत ने प्रतिभागी फोटो जर्नलिस्ट सौरभ राय, ईश्वर चन्द, सुनील घोष, मनोहर त्यागी, सुशील अग्रवाल, प्रमोद शर्मा, रमेश शर्मा, रवि यादव, अमित शुक्ला, लाल सिंह, राजन राय, अभिनव चौधरी, वीरेंद्र सिंह, नीरज कुमार, विजय पांडे, सतीश कौशिक, राउल ईरानी, राजवंत रावत, हिमांशु सिंह, श्रीकांत सिंह, हरीश त्यागी, एन के दास, चंद्रदीप कुमार के आसिफ को सम्मानित किया।

चुनावी जीत का मंत्र दे गये धर्मेन्द्र यादव व जूही सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव का नोएडा पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। सेक्टर-33 अग्रसेन भवन में महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता के नेतृत्व व पूर्व जिला अध्यक्ष तथा लोकसभा प्रभारी वीर सिंह यादव की अध्यक्षता में आयोजित संविधान मानस्तंभ की स्थापना एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया था। गोष्ठी में सपा सांसद धर्मेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने संविधान के महत्व पर बल दिया।

धर्मेंद्र यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए 2027 विधानसभा चुनावों के लिए मेहनत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस बार पार्टी की नजर नोएडा की तीनों विधानसभा सीटों पर है और उन्हें जीतने के लिए कार्यकर्ताओं को कड़ी मेहनत करनी होगी। कार्यक्रम के दौरान सांसद धर्मेंद्र यादव ने उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनावों पर भी अपनी बात रखी और दावा किया कि समाजवादी पार्टी सभी सीटों पर जीत हासिल करेगी। उन्होंने लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए भाजपा पर भी निशाना साधा। सांसद ने 'भारत बंद' के समर्थन पर भी खुलकर कहा कि समाजवादी पार्टी पूरी तरह से इस बंद का समर्थन करती है। उन्होंने समाज के दबे-कुचले लोगों और दलितों के साथ हो रहे अन्याय पर चिंता जताई। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश सचिव जय करण चौधरी व महानगर महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी, प्रवक्ता राजकुमार भाटी, पूर्व अध्यक्ष फकीरचंद नागर, राकेश यादव पूर्व प्रत्याशी सुनील चौधरी, भीष्म यादव, पूर्व महानगर अध्यक्ष दीपक विग, रेशपाल अवाना, सुबे यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे।

एमिटी में 'एक पेड मां के नाम' अभियान के तहत हुआ पौधारोपण

नोएडा (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पर्यावरण दिवस पर माताओं के सम्मान में प्रारंभ किये गये अभियान ''एक पेड़ मां के नाम'' के अंर्तगत एमिटी विश्वविद्यालय में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला, एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डा संजीव बंसल सहित कई संस्थानों के निदेशकों ने पौधारोपण किया।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने कहा कि इस वृक्षारोपण कार्यक्रम से हम एक तरफ सभी माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करेगें, उनकी स्मृतियों को संजोयेगे वही दूसरी ओर धरती मां की भी सेवा का लाभ अर्जित करेगे।

आज देश में वृक्षों की संख्या को बढ़ाने के लिए इस प्रकार के अभियान कारगर सिद्ध हो रहे और एमिटी मे हम हर छात्र को पौधारोपण करने और वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल करने के लिए प्रेरित करते है। इस अभियान में एमिटी के छात्र सहित शिक्षक एवं कर्मचारी हिस्सा ले रहे है। आने वाले समय में हम बड़ी संख्या में वृक्षारोपण अभियान का संचालन करेगें।

इस अवसर पर एमिटी लॉ स्कूल के चेयरमैन डा डी के बंधोपाध्याय, एमिटी विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलसचिव डा आर के कपूर आदि लोग उपस्थित थे।

'विश्व फोटोग्राफी दिवस' मनाया गया

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली इंस्टिट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन (जिम्स नोएडा) के पत्रकारिता व जनसंचार विभाग के स्टोरीटेलर सैंक्चुअरी क्लब ने विश्व फोटोग्राफी दिवस के उपलक्ष्य में एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता और प्रदर्शनी का आयोजन किया।

कार्यक्रम में बीबीए, बीसीए और बीजेएमसी विभागों के 50 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। बीबीसी और नेशनल ज्योग्राफिक पर अपने काम के लिए जाने जाने वाले मशहूर फोटोग्राफर निशांत उपाध्याय ने उनकी रचना और अवधारणा के आधार पर सबमिशन का मूल्यांकन किया।

बीजेएमसी से इशिता पटेल, अभिनव और संयम जैन ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा पुरस्कार जीता। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाणपत्र के साथ उनके योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता विभाग की छात्रा आशिता जैन ने मंच संचालन किया। क्लब विजेताओं और प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए कॉलेज डायरेक्टर डॉ राजीव कुमार और विभागध्यक्ष डॉ विजेता तनेजा ने बधाई दी।

जन्मदिन की बधाई

तुम जियो हजारों साल
साल के दिन हों पचास हजार

शिवराज सिंह पुत्र बृजेश चौहान निवासी-गली नं. 6 मास्टर पार्क खोड़ा कॉलोनी गाजियाबाद के 6वें जन्मदिन पर चेतना मंच परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

चेतना मंच परिवार

टक्कर मारने के बाद कार चालक से मारपीट

नोएडा (चेतना मंच)। कार में टक्कर लगने के बाद आरोपी कार चालक का पीछा करना एक व्यक्ति को भारी पड़ा। 10 किलोमीटर पीछा करने के बाद कार रुकवाने पर चालक ने अपने परिजनों के साथ मिलकर उस की पिटाई कर दी। पीड़ित ने थाना सेक्टर-20 में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-100 निवासी अनुभव खोसला ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी पत्नी और भाई के साथ दिल्ली से कार द्वारा वापस अपने घर नोएडा आ रहे थे। सेक्टर-15ए के सामने तेज गति में आ रही स्विफ्ट डिजायर कार चालक ने पीछे से उनकी कार में टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद कार चालक भागने लगा। उन्होंने अपनी कार से स्विफ्ट डिजायर कार चालक का करीब 10 किलोमीटर तक पीछा किया। कार चालक निठारी गांव आकर रुका। उन्होंने जब कार चालक से टक्कर मारने के बाद भागने का कारण पूछा तो वह गाली-गलौज करने लगा। इस दौरान कार चालक ने फोन कर अपने परिजनों को मौके पर बुला लिया। मौके पर आए लोगों ने उनके साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया।

अनुभव खोसला के मुताबिक उन्होंने तुरंत पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। पुलिस के आने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गए।

पुलिस का कहना है की पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए कार नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गुस्साए प्लंबर ने ठेकेदार पर बोला हमला

नोएडा (चेतना मंच)। गलत काम करने पर प्लंबर को टोकना ठेकेदार को महंगा पड़ा। ठेकेदार की डांट से गुस्साए प्लंबर ने उसके साथ गाली-गलौज कर मारपीट की। ठेकेदार ने थाना सेक्टर-113 में प्लंबर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम गढ़ी चौखंडी शर्मा कॉलोनी में रहने वाले विश्व रंजन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह निर्माणाधीन घरों में ठेके लेकर प्लंबिंग का काम करवाता है। वर्तमान में उसका सेक्टर-122 ए ब्लॉक में प्लंबिंग का काम चल रहा है। उसने यहां पर प्लंबर तापस सेठी निवासी उड़ीसा को काम करने के लिए भेजा था। 7 अगस्त की शाम को वह अपनी साइट पर काम देखने गया।

काम का निरीक्षण करने के दौरान उसे कई खामियां मिली। इस पर उसने तापस सेठी को सही तरीके से काम करने के लिए कहा। इस पर वह आग बबूला होकर गाली-गलौज करने लगा। उसने जब गाली देने का विरोध किया तो प्लंबर तापस सेठी ने उसके साथ मारपीट की। उसने किसी तरह से अपने आप को प्लंबर के चंगुल से बचाया। मारपीट के बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

शहर से 9 बाइक चोरी

नोएडा/ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अलग-अलग स्थानों से वाहन चोर 9 बाईकों को चोरी कर ले गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। शहर से कुछ घंटों में वाहनों की चोरी काफी बढ़ गई है।

थाना ईकोटेक-3 में जलपुरा गांव निवासी ईश्वर दयाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपने मूल ग्राम सिकंदरपुर जनपद कन्नौज गया था। जब वह गांव से वापस आया तो उसके घर के बाहर खड़ी स्प्लेंडर बाइक गायब थी।

थाना फेज-3 क्षेत्र की सेक्टर-65 स्थित एक कंपनी के बाहर से जयवीर की बाइक चोरी हो गई। कंपनी में काम करने वाले जयवीर ने अपनी बाइक कंपनी के बाहर पार्किंग में खड़ी की थी।

थाना सेक्टर-63 राघवेंद्र श्रीवास्तव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी बाइक एच ब्लॉक से चोरी हो गई।

थाना सेक्टर-20 में मोरना गांव निवासी केतन ने अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित ने बताया कि वह जोमैटो में डिलीवरी बॉय का काम करता है। 27 जुलाई को वह सेक्टर 18 डीएलएफ के पास ऑर्डर देने गया था। इस दौरान चोरों ने उसकी इलेक्ट्रिक स्कूटी चोरी कर ली।

थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर 37 स्थित अंबेडकर विहार हरिजन बस्ती से मनोज कुमार की बाइक चोरी हो गई। मनोज कुमार सोम बाजार में सब्जी लेने गया था। इस दौरान चोरों ने उसकी बाइक पर हाथ साफ कर दिया।

थाना बीटा-2 क्षेत्र के अल्फा कमर्शल बेल्ट से चोरों ने दो बाइक पर हाथ साफ कर दिया। ग्राम दादोपुर निवासी यश कुमार शर्मा व डालचंद ने बताया कि उन्होंने अपनी बाइक अल्फा कमर्शियल बेल्ट में खड़ी की थी। कुछ समय बाद जब वह वापस लौटे तो उनकी बाइक गायब थी। थाना रबूपुरा क्षेत्र के ग्राम रोनीजा निवासी करनेल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 18 अगस्त को उनके घर के बाहर खड़ी दो बाइक चोरी हो गई। काफी ढूंढने पर भी दोनो बाईकों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

दादरी में युवा समाजसेवी सद्दाम के पिता नाजिम का निधन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी में वार्ड नं 25, नई आबादी निवासी सद्दाम नाजिम चौक के पिता मास्टर नाजिम अब्बासी के आकस्मिक निधन से दादरी के नई आबादी में शोक की लहर है। उनके निधन पर समाजसेवियों व दादरीवासियों ने शोक व्यक्त किया है।

मास्टर नाजिम अब्बासी के पिता हाजी रियाजुल्लाह सिकंदराबाद तहसील में पटवारी थे और नई आबादी में मुख्य चौराहे पर इनके तीन बड़े प्लॉट थे, इसी चौराहे पर एक प्लॉट में मास्टर नाजिम ने गली मोहल्लों से अशिक्षा दूर करने के लिए सैकड़ों बच्चों को पढ़ाने के लिए दशकों तक एक चेरिटेबल स्कूल का संचालन भी किया और जीटी रोड स्थित मदरसा करीम उल उलूम जूनियर हाईस्कूल एवं अन्य स्कूल में भी बच्चों को पढ़ाने का काम किया था।

मास्टर नाजिम अब्बासी के छोटे भाई नासिर अब्बासी का कुछ समय पूर्व इंतकाल हो गया था, भाई के निधन के बाद इनका स्वास्थ कमजोर होता चला गया। नब्बे के दशक में दादरी विधानसभा क्षेत्र से लोकप्रिय विधायक महेंद्र सिंह भाटी से इस परिवार के बहुत गहरे ताल्लुक रहे, पूर्व राजस्व मंत्री स्वर्गीय रवि गौतम से भी बहुत ही स्नेहपूर्ण रिश्ते रहे हैं, सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्र से तत्कालीन विधायक, कद्दावर नेता नरेंद्र सिंह भाटी (पूर्व कैबिनेट मंत्री) सदस्य विधान परिषद से हमेशा हर दौर में यह परिवार सीधे जुड़े रहा।

स्वतंत्रता सेनानी महाशय तेजपाल सिंह यादव की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। करीब पांच दशक पूर्व ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं के लिए स्कूल खोलकर शिक्षा की अलख जगाने वाले स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय महाशय तेजपाल सिंह यादव की छठी पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। परिजनों ने उनकी पुण्यतिथि पर हवन कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। परिजनों व क्षेत्रवासियों ने उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

सर्फाबाद गांव में स्थित यदु पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद डीपी यादव व उनके परिजनों ने स्वर्गीय तेजपाल सिंह यादव की पुण्यतिथि पर हवन किया। हवन के पश्चात परिजनों व क्षेत्र वासियों ने स्कूल परिसर में लगी उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बता दें कि ग्राम सर्फाबाद निवासी महाशय तेजपाल सिंह यादव ने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में हिस्सा लिया था। स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी जिम्मेदारी निभाने के बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया। गांव की प्रधानी की बागडोर संभालने के बाद उनके सामने ग्रामीणों ने क्षेत्र की लड़कियों की शिक्षा का मुद्दा उठाया। ग्रामीणों द्वारा उठाए गए इस मुद्दे पर उन्होंने गंभीरता दिखाते हुए उन्होंने करीब चार दशक पूर्व सर्फाबाद गांव में ग्रामीण छात्र-छात्राओं के लिए यदु पब्लिक स्कूल की स्थापना की। उनके द्वारा बनाए गए इस इंटर कॉलेज में आज हजारों छात्र-छात्राएं उच्च स्तर की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। स्वर्गीय महाशय तेजपाल सिंह यादव के परिवार ने समाजसेवा के साथ-साथ राजनीति में भी अपनी एक अलग पहचान बनाई। उनके बड़े सुपुत्र श्याम सिंह यादव वर्ष 1972 में सर्फाबाद गांव के प्रधान बने। कई वर्षों तक उन्होंने प्रधानी की जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। स्वर्गीय महाशय तेजपाल यादव के दूसरे सुपुत्र डीपी यादव ने राजनीति व क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई। उत्तर प्रदेश के कद्दावर नेताओं में उनकी आज भी गिनती होती है। वर्ष 1990 में उन्होंने बुलंदशहर से विधानसभा का चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। उन्हें प्रदेश सरकार में मंत्री पद से नवाजा गया। इस दौरान उनकी भाभी श्रीमती शांति देवी ने करीब 15 वर्षों तक गांव की प्रधानी की बागडोर संभाली। उनकी धर्मपत्नी उमलेश देवी ने भी बिसौली से विधानसभा का चुनाव लड़ा और जीत हासिल कर प्रदेश की सबसे बड़ी पंचायत में पहुंची। डीपी यादव के सगे साले भारत यादव एमएलसी तथा उनकी पत्नी पूनम बदायूं से जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं। पूर्व मंत्री डीपी यादव के बड़े भाई स्वर्गीय श्याम सिंह के बड़े सुपुत्र जितेंद्र यादव को वर्ष 2010 में एमएलसी बनाया गया। स्वर्गीय श्याम सिंह यादव के छोटे सुपुत्र विक्रांत यादव की धर्मपत्नी कीर्ति यादव ने वर्ष 2010 में जनपद गौतमबुद्धनगर से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ा और जीत दर्ज कर राजनीति में पदार्पण किया। स्वर्गीय महाशय तेजपाल सिंह यादव के परिवार की राजनीति का सफर आज भी लगातार जारी है। उनके पौत्र एवं पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव की धर्मपत्नी वर्षा यादव वर्तमान में बदायूं की जिला पंचायत अध्यक्ष है। वहीं युवा समाजसेवी विक्रांत यादव की धर्मपत्नी श्रीमती कीर्ति सिंह यादव भी सहसवान से ब्लॉक प्रमुख हैं। गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर से लेकर बदायूं व प्रदेश की राजनीति में स्वर्गीय महाशय तेजपाल सिंह यादव के परिवार ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

उनकी पुण्यतिथि पर उनके सुपुत्र पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद डीपी यादव, सहसवान से ब्लॉक प्रमुख विक्रांत यादव, मैराथन रनर सत्या यादव, सतेंद्र यादव, सुखबीर खलीफा, उदल यादव, राजेंद्र यादव सहित परिजनों, स्कूल के स्टाफ व क्षेत्रवासियों ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।